हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्ष:- 03, अंक:-181, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.

लखनऊ, शनिवार 13 दिसम्बर 2025

बाबू गेनु के बलिदान दिवस को भामसं ने स्वदेशी दिवस के ...02

बुजुर्ग ने की सदर अस्पताल के लिए अधीग्रहित...06

सोना 4,114 और चांदी 6,899 महंगी

सेंसेक्स 449 अंक चढ़कर 85,267 पर बंद

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता मार्च तक संभव

मुख्यमंत्री योगी ने किया किसान पाठशाला का शुभारंभ

देश के कुल कृषि उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत

बाराबंकी, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के पास देश की कुल कृषि भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा है लेकिन यूपी देश के कुल कृषि उत्पादन में 21 फीसदी योगदान देता है। यह बताता है कि प्रदेश का किसान मेहनती भी है और नवाचार की क्षमताओं से भी भरपूर है। सरकार प्रदेश के 28 जिलों में 4000 करोड़ की लागत से खेती में सुधार और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। सीएम योगी शुक्रवार को हरख ब्लॉक के दौलतपुर गांव में पद्मश्री और प्रगतिशील किसान रामसरन वर्मा के फार्म पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दौलतपुर में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तमाम योजनाएं चलाई हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी ने बड़े स्तर पर किसानों को राहत दी है। सीएम योगी ने कहा कि परंपरागत खेती के साथ-साथ यदि किसान उच्च मूल्य वाली फसलों, सब्जियों, फल उत्पादन और प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ें तो उनकी आमदनी कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने पद्मश्री रामसरन वर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों और नवाचार को अपनाने से सीमित भूमि पर भी शानदार उत्पादन संभव है। सरकार किसानों को इसी दिशा में प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी प्रगति के बिना समृद्ध भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए सरकार हर जिले में किसान प्रशिक्षण, मॉडल फार्म और आधुनिक मार्केट से जोड़ने की व्यवस्था को मजबूत कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि खेती को लाभकारी बनाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे और किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

महिला पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास से लिया यू-टर्न

नयी दिल्ली, एजेंसी। तीन बार की ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को प्रतिस्पर्धी कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले को वापस ले लिया। फोगाट ने भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने संन्यास से वापसी की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना है। पिछले साल विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 के तुरंत बाद संन्यास ले लिया था। विनेश ने आज सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, लोग मुझसे पूछते रहे कि क्या पेरिस मेरे करियर का अंत है। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी महत्वाकांक्षाओं से भी दूर हटने की जरूरत थी। इतने सालों में पहली बार, मैंने खुद को चौन की सांस लेने दी। उन्होंने कहा, मैंने अपने सफर के महत्व को समझने के लिए समय लिया, ऊंचाइयों, दिल टूटने के पलों, बलिदानों और मेरे उन रूपों को समझा जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा।

किसानों की आत्महत्या के आंकड़ों में नहीं जाना चाहता, यह अमानवीय होगा : शिवराज

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में किसानों की आत्महत्या के आंकड़े साझा करने से इनकार करते हुए कहा कि यह अमानवीय होगा। पंजाब से आम आदमी पार्टी के संत बलबीर सिंह ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न में पूछा था कि पिछले 15 साल में देश में कितने किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने उसका राज्यवार विवरण भी मांगा था। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि एक भी आत्महत्या दुर्भाग्यपूर्ण है। विभिन्न परिस्थितियों के कारण कई बार अलग-अलग पेशों में काम करने वाले आत्महत्या करते हैं। उन्होंने कहा, किसानों की आय बढ़ाने के लिए हम हरसंभव प्रयत्न कर रहे हैं। मैं आत्महत्या के आंकड़ों में नहीं जाना चाहता। वह अमानवीय होगा क्योंकि तब कितनी होती थी, अब कितनी होती है यह कहना दुर्भाग्यपूर्ण होगा। लेकिन हमारा संकल्प है कि एक-एक व्यक्ति मानवीय गरिमा के साथ अपना जीवन जिये और उसमें हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। आत्महत्या के कई कारण होते हैं, कई बार विद्यार्थी भी कर लेते हैं, पेशेवर भी कर लेते हैं, व्यापारी भी कर लेते हैं, गृहिणियां भी कर लेती हैं। एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में श्री चौहान ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि के समग्र विकास के लिए काम कर रही है।

इंडिगो पर एक्शन, 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर सस्पेंड

डीजीसीए की एयरलाइन सीईओ से दूसरे दिन पूछताछ, बेंगलुरु एयरपोर्ट से आज 54 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में फ्लाइट कैंसिल को लेकर जारी संकट के बीच लगातार एक्शन हो रहा है। डीजीसीए (नागरिक उड्डयन नियामक) ने शुक्रवार को एयरलाइन की सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों की गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। इधर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स आज लगातार दूसरे दिन डीजीसीए के सामने पेश होंगे। इससे पहले गुरुवार को पीटर से अधिकारियों ने करीब 2 घंटे की पूछताछ की थी। इसमें ऑपरेशंस, क्रू मैनेजमेंट, रिफंड, मुआवजे से जुड़े सवाल-जवाब किए गए। वहीं बेंगलुरु एयरपोर्ट से शुक्रवार को इंडिगो की 54 फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इनमें 31 आने वाली (अराइवल) और 23 जाने वाली (डिपार्चर) फ्लाइट शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली और बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई थीं। इस बीच, देश में कम किराए वाली विमान सेवा शुरू करने वाले कैप्टन गोपीनाथ ने कहा कि इंडिगो संकट शायद इसलिए बढ़ा, क्योंकि एयरलाइन संचालकों में घमंड और ओवरकॉन्फिडेंस आ गया था। इसलिए एयरलाइन हालात नहीं समझ पाई। 1 नवंबर से लागू हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों के दूसरे फेज को लागू करने में सही प्लानिंग की कमी ही 2 दिसंबर से शुरू हुए संकट का कारण है। नए नियमों के साथ, एयरलाइन के पास अपनी फ्लाइट्स ऑपरेट करने के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट नहीं थे। जब बॉटम लाइन, रेवेन्यू और प्रॉफिट में ग्रोथ और स्टॉक मार्केट पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है तो ऐसा होता है कि वे पायलट और दूसरे स्टाफ की बात सुनना बंद कर देते हैं। इंडिगो ने टिकट बेचने से पहले फ्लाइट्स की संख्या कम कर दी होती, तो सब कुछ ठीक होता। डीजीसीए को पूरी तरह से एक इंडिपेंडेंट रेगुलेटर होना चाहिए और इसमें कोई भाई-भतीजावाद और कोई पॉलिटिकल असर नहीं होना चाहिए। कैप्टन आर. गोपीनाथ 2003 में एयर डेक्कन लेकर आए थे।

जुबिन गर्ग मौत मामले में एसआईटी ने दाखिल किया 3,500 से अधिक पन्नों का आरोपपत्र

गुवाहाटी, एजेंसी। गायक जुबिन गर्ग की मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मामले में शुक्रवार को असम के गुवाहाटी स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया।अधिकारियों ने बताया कि 3,500 से अधिक पन्नों के आरोप पत्र को सबूतों के साथ चार पेटी में भरकर अदालत में लाया गया। नौ सदस्यीय एसआईटी छह वाहनों के काफिले में पहुंची। प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। वह चौथे पूर्वोत्तर भारत महोत्सव (एनईआईएफ) में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे। असम सरकार ने गर्ग की मौत की जांच के लिए विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एम पी गुप्ता के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था।

नवंबर में सब्जियों और मसालों की कीमतें बढ़ीं

रिटेल महंगाई बढ़कर 0.71 प्रतिशत पर पहुंची, अक्टूबर में ये 0.25 प्रतिशत पर थी

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 0.71 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है। इससे पहले अक्टूबर में ये 0.25 प्रतिशत पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर रहा था। नवंबर महीने में महंगाई में बढ़ोतरी सब्जियों, अंडे, मांस-मछली, मसालों, फ्यूल और लाइट की कीमतें बढ़ने की वजह से हुई है। सरकार ने शुक्रवार, 12 दिसंबर को महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई के बास्केट में लगभग 50 प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 5.02 प्रतिशत से बढ़कर माइनस 3.91 प्रतिशत हो गई है। नवंबर महीने में ग्रामीण महंगाई दर -0.25 प्रतिशत से बढ़कर माइनस 0.10 प्रतिशत हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 0.88 प्रतिशत से बढ़कर 1.40 प्रतिशत पर आ गई है। अक्टूबर में रिटेल महंगाई 0.25 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई थी। इसका कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में कमी थी। ये वर्तमान सीपीआई सीरीज में अब तक की सबसे कम महंगाई थी। यानी, ये करीब 14 साल का निचला स्तर रहा था। इससे पहले सितंबर में ये 1.44 प्रतिशत पर थी। भारत में सीपीआई की मौजूदा सीरीज 2012 के बेस ईयर पर बेस्ड है। मतलब, 2012 की कीमतों को 100 मानकर तुलना की जाती है। पहले 2010 या 1993-94 वाली सीरीज थीं, लेकिन समय के साथ अपडेट होती रहती है ताकि आंकड़े सही रहें। हर नई सीपीआई सीरीज में बेस ईयर चेंज होता है। सीपीआई सीरीज यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स सीरीज। ये महंगाई मापने का सरकार का सिंपल तरीका है। आसान शब्दों में कहे तो, ये बताता है कि रोजमर्रा की चीजें जैसे दूध, सब्जी, पेट्रोल कितनी महंगी या सस्ती हो रही हैं। बेस ईयर से तुलना करके त्र में आंकड़ा आता है। बेस ईयर वो साल होता है जिसकी कीमतों को आधार (बेस) माना जाता है। यानी, उसी साल की चीजों की औसत कीमत को 100 का मान देते हैं। फिर, दूसरे सालों की कीमतों की तुलना इसी बेस ईयर से की जाती है। इससे पता चलता है कि महंगाई कितनी बढ़ी या घटी है। महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। चांदी की कीमत आज (12 दिसंबर) लगातार तीसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, चांदी की कीमत आज 4,500 रुपए चढ़कर 1,92,781 प्रति किलो पर पहुंच गई है।

संसद के दोनों सदनों में शिवराज पाटिल को दी गई श्रृद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में शुक्रवार को पूर्व गृह मंत्री, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और उच्च सदन के पूर्व सदस्य शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि दी गई। शून्यकाल के आखिर में सभापति सी पी राधाकृष्णन ने पाटिल के निधन का जिक्र किया। उन्होंने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पाटिल के संसदीय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में पाटिल का उच्च कोटि की संसदीय मर्यादाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा। वही, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष शिवराज पाटिल के निधन की सूचना दी। उंन्होने बताया कि पाटिल ने केंद्रीय मंत्री के रूप में भी काम किया। लोकसभा में सदस्यों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें और संसद पर 24 साल पहले हुए हमले में मारे गये।

सरकार प्रदूषण रोकने का प्लान बनाए : राहुल

रिजिजू बोले- हम संसद में चर्चा को तैयार, अनुराग ठाकुर बोले- तमिलनाडु सरकार सनातन धर्म विरोधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हमारे देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। राहुल ने कहा कि यह एक अहम मुद्दा है। मुझे पूरा यकीन है कि सरकार और हमारे बीच इस मामले पर एक सहमति होगी। इस सदन में मौजूद हर सदस्य इस बात से सहमत होगा कि प्रदूषण के कारण देश के लोगों को जो नुकसान हो रहा है, उस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार ने पहले दिन से ही अपना रुख साफ कर दिया था कि हम सभी अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टी के नेताओं से सुझाव लेने के लिए भी तैयार है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने तमिलनाडु में दीपक जलाने की मांग पर हिंदुओं पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। उन्होंने तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- तमिलनाडु सनातन धर्म के विरोध का प्रतीक बन गया है। उनके मंत्री सनातन धर्म के विरुद्ध बयान देते हैं। सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले राहुल ने शुक्रवार को संसद भवन के एनेक्स एक्सटेंशन बिल्डिंग में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठक की। इसमें शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सांसदों के परफॉर्मेंस की समीक्षा हुई। हालांकि, केरल से पार्टी के सांसद शशि थरूर बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पहले 30 नवंबर को कांग्रेस की एक स्ट्रैटजिक मीटिंग में भी थरूर शामिल नहीं हुए थे। तब थरूर ने अपनी सफाई में कहा था कि वे अपनी 90 साल की मां के साथ फ्लाइट में थे। इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाए।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा, बस दुर्घटना में 9 लोगों की मौत

चिंतूर, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4.30 बजे हुई। बरदार ने 'न्यूज एजेंसी' को बताया, ''घाट रोड सड़क से बस के नीचे गिर जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। बस पूरी तरह से घाटी में नहीं गिरी। बस पलट गई... और वहीं फंस गई।

कफ सिरप की तस्करी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कई शहरों में छापेमारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोडीन आधारित कफ सिरप की अवैध तस्करी पर प्रहार करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को छह शहरों में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई इस कार्रवाई में एजेंसी ने कुल 25 ठिकानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज जब्त किए। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार तड़के ईडी की टीमें लखनऊ, वाराणसी, रांची, अहमदाबाद, जौनपुर और सहारनपुर में सक्रिय हुईं। लखनऊ में एजेंसी ने इस सिंडिकेट से जुड़े माने जा रहे निलंबित एसटीएफ कांस्टेबल आलोक प्रताप सिंह के आलीशान आवास पर लंबी तलाशी ली। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित घर से अधिकारी कई संदिग्ध दस्तावेज, बैंक लेनदेन रिकॉर्ड, डिजिटल डिवाइस और कथित हवाला कनेक्शन से जुड़े कागज़ात अपने कब्जे में ले गए। आलोक प्रताप सिंह इस समय एसटीएफ की हिरासत में है। उधर, इसी मामले में एक दिन पहले पुलिस ने भगोड़े चल रहे दीपक मनवानी के दो साथियों सूरज मिश्रा और प्रीतम सिंह को गिरफ्तार किया। मनवानी को 11 अक्टूबर को ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त छापेमारी में बड़ी मात्रा में कोडीन सिरप, टैबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन के साथ पकड़ा गया था। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि पूछताछ में मनवानी ने स्वीकार किया था कि अवैध दवाएं वह सूरज और प्रीतम से खरीदकर नशेड़ियों को बेचता था। उसका एक अन्य सहयोगी अरुष सक्सेना अभी भी फरार है। गुरुवार को पुलिस ने सूरज को वीआईपी रोड के पास बैकुंठ धाम से और प्रीतम को बाशाहनगर से दबोचा। सूरज, सीतापुर के अटरिया सदनपुर का रहने वाला है और 'न्यू मंगलम आयुर्वेदिक' नाम की दवा एजेंसी चलाता है।

राजस्थान के 9 शहरों में पारा 10 डिग्री सेलसियस से नीचे पहुंचा

इंदौर में तापमान 4.5 डिग्री सेलसियस, 10 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। इंदौर में सर्दी के पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां गुरुवार रात न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेलसियस दर्ज किया गया। इससे पहले दिसंबर, 2015 में 7 डिग्री सेलसियस का तापमान दशक का सबसे कम तापमान था। राजस्थान के 9 शहरों में गुरुवार को तापमान 10 डिग्री सेलसियस से नीचे चला गया। सीकर के फतेहपुर में सबसे कम तापमान 4 डिग्री सेलसियस दर्ज किया गया। नागौर में 5 डिग्री सेलसियस, सीकर में 5.5 डिग्री सेलसियस और लूणकरणसर में 5.6 डिग्री सेलसियस पारा रिकॉर्ड हुआ। राजधानी जयपुर में तापमान 10.7 डिग्री सेलसियस दर्ज किया गया। उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से बर्फबारी के बाद अब पाला गिर रहा है।

गोवा अग्निकांड

क्लब मालिकों को भारत लाया जा रहा

बैंकॉक में भारतीय एजेंसियों के हवाले किए जाएंगे, पूरी प्रॉसेस में 4 दिन लगेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन' आग मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड से भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। थाईलैंड पुलिस ने गुरुवार (11 दिसंबर) को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया था। थाई पुलिस अब दोनों को बैंकॉक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट ले गई है।

यहां दोनों को भारतीय एजेंसियां अपनी कस्टडी में लेंगी। इसके बाद उन्हें सुआन फू इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर ले जाया जाएगा। पासपोर्ट रद्द होने के कारण भारतीय दूतावास इनके लिए इमरजेंसी ट्रैवल सर्टिफिकेट जारी करेगा। चूंकि, थाईलैंड से गोवा के लिए सीधी उड़ान नहीं है, इसलिए लूथरा ब्रदर्स को बैंकॉक से पहले दिल्ली, फिर गोवा ले जाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 4 दिन लगेंगे। सोमवार तक दोनों भाइयों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। दिल्ली पहुंचते ही गोवा पुलिस दोनों को हिरासत में लेगी।

एसआईआर के मुद्दे पर सदन में गरजे संजय सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही में स्पष्ट शब्दों में आगाह किया कि एसआईआर के नाम पर जो कार्यवाही देशभर में चल रही है वह मतदाता-सूची फ़सुधारफ़ नहीं बल्कि वोटरों की प्रणालीगत सफ़ाई और वोट चोरी की साजिश हैय सरकार और चुनाव आयोग को इस पूरे अभियान के ठोस, नाम-वार और क्षेत्र-वार आंकड़े जनता के सामने पेश करने होंगे, अन्यथा विपक्ष और नागरिक समाज इसके विरुद्ध कड़े कदम उठाएंगे। राज्यसभा में बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि जिस देश के लिए भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस, अशफ़ाकउल्ला जैसे शहीदों ने कुर्बानी दी।

सुप्रीम कोर्ट बोला, भूकंप के खतरों पर दिशा-निर्देश नहीं दे सकते

बेंच ने पूछा- क्या सबको चांद पर भेज दें, यह सरकार का काम, हमारा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देशभर में भूकंप से जुड़े खतरों को कम करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि यह मामला सरकार की नीति से जुड़ा है और कोर्ट इसमें दखल नहीं दे सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने याचिका की सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि पहले सिर्फ दिल्ली को उच्च भूकंप का हाई-रिस्क जोन माना जाता था, लेकिन अब नए आकलन के अनुसार देश की 75 प्रतिशत आबादी हाई-रिस्क जोन में रहती है। इसके जवाब में जस्टिस नाथ ने कहा तो क्या हम सबको चांद पर भेज दें? वहीं जब याचिकाकर्ता ने जापान में आए।

बाबू गेनु के बलिदान दिवस को भामसं ने स्वदेशी दिवस के रूप में मनाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। स्वदेशी के प्रथम बलिदानी बाबु गेनू के बलिदान दिवस 12 दिसंबर को स्वदेशी दिवस के रूप में भारतीय मजदूर संघ मानती है।शुक्रवार को विश्वकर्मा भवन कार्यालय पुलिस लाइन, हीरापुर, धनबाद में स्वदेशी दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के उपाध्यक्ष राघवेंद्र पांडे ने किया मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश कार्य समिति के सदस्य ओम कुमार सिंह उपस्थित हुए। साथ ही इस कार्यक्रम को जिला मंत्री धर्मजीत चौधरी ने भी संबोधित किया।कार्य क्रम का संचालन स्वदेशी आयाम प्रमुख सौरभ कुमार ने किया। इतिहास का ऐसा नाम बाबू गेनू, जिसने दी थी ब्रिटिश व्यापारी प्रथाओं को चुनौतीमुंबई के मजदूर और स्वतंत्रता सेनानी बाबू गेनू का शहीदी बलिदान स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक है। 12 दिसंबर को मनाया जाने वाला स्वदेशी दिवस उनके साहस और देशभक्ति को याद करता है। इस दिन का महत्व भारतीय उत्पादों के समर्थन और विदेशी वस्त्रों के विरोध में निहित है।बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में, जब भारत अंग्रेज़ों की औपनिवेशिक हुकूमत के तहत जूझ रहा था, तब मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में एक सामान्य मजदूर ने अपनी वीरता और देशभक्ति से इतिहास को प्रेरित कर दिया। उनका नाम था बाबू गेनू, जिन्होंने स्वदेशी आंदोलन के तहत विदेशी वस्त्रों के आयात के खिलाफ आवाज उठाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।बाबू गेनू का व्यक्तित्व भले ही इतिहास में विस्तृत रूप से दर्ज न हो, लेकिन उनका बलिदान उन्हें स्वदेशी आंदोलन का अमर प्रतीक बनाता है। उन्होंने न केवल ब्रिटिश आर्थिक उत्पीड़न के खिलाफ विरोध किया, बल्कि आम जनता को अपने देश के वस्त्रों और उत्पादों के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाबू गेनू का योगदान मुख्य रूप से विदेशी वस्त्रों के आयात विरोधी आंदोलनों में रहा।ब्रिटिश शासन भारतीय उद्योगों को कमजोर करने के लिए विदेशी कपड़े भारत में लाता था। इसी आर्थिक शोषण के खिलाफ बाबू जिनू ने सक्रिय विरोध किया। 12 दिसंबर 1930 को मुंबई में एक ऐतिहासिक घटना घटी। बाबू गेनू ने एक ऐसे लोरी को रोकने का प्रयास किया, जिसमें विदेशी कपड़े ले जा रहे थे। उनके इस साहसी प्रयास के दौरान ब्रिटिश पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई और बाबू गेनू शहीद हो गए। उनका यह बलिदान स्वदेशी आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया।बाबू गेनू के बलिदान को याद करने के लिए स्वदेशी दिवस प्रतिवर्ष 12 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन का महत्व केवल उनके शौर्य को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज में देशी उत्पादों के समर्थन और विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार की भावना को भी उजागर करता है। उनकी शहादत ने मजदूर वर्ग, छात्रों और आम नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपने देश के आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए खड़े हों।बाबू गेनू का योगदान यह दिखाता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार तक सीमित नहीं थी, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। बाबू गेनू का नाम आज भी स्वदेशी आंदोलन और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है। उनके बलिदान ने यह संदेश दिया कि साहस और देशभक्ति से किसी भी औपनिवेशिक शक्ति का सामना किया जा सकता है।स्वदेशी दिवस पर उन्हें याद करना न केवल उनके शौर्य को सम्मानित करना है, बल्कि यह भारतीय समाज के लिए अपने उत्पादों और संसाधनों के महत्व को समझने का अवसर भी है। बाबू गेनू की कहानी हमें यह याद दिलाती है कि देशभक्ति के छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं, और उनके बलिदान का स्मरण हमें अपने समाज में स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग और समर्थन के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पप्पू विश्वकर्मा संगठन मंत्री भवन निर्माण झारखंड प्रदेश,अशोक राय जिला उपाध्यक्ष,चंद्र भूषण प्रसाद,अध्यक्ष सीएमपीएफ विपिन कुमार,जिला सह मंत्री,नवनीत कुमार सिंह बाबू राम तांती,अनिल कुमार ,कार्यालय मंत्री, शिवप्रसाद वर्मा खेती हर मजदूर संघ ,महामंत्री संतोष कुमार सिंह, दीपक सिंह व सभी प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हुए।

झारखंड विधानसभा सचिवालय के सभागार में अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षात्मक बैठक आहुत की गई

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद /रांची । झारखंड विधानसभा की विशेष समिति प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण की बैठक आज 12 दिसंबर को झारखंड विधानसभा सचिवालय के सभागार में माननीय अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षात्मक बैठक आहुत की गई। जिसमें समिति के सदस्य विधायक चंद्रदेव महतो, अरूप चटर्जी, उमाकांत रजक, मथुरा प्रसाद महतो ,विधायक धनबाद राज सिंहा, विधायक सुदीप गुड़िया, विशेष रूप से आहुत की गई ।

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जाम के निजात दिलाने के दृष्टिगत शास्त्री ब्रिज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने शास्त्री ब्रिज पर यातायात व्यवस्था सुचारू ढंग से संचालित करने के दृष्टिगत शास्त्री ब्रिज के दोनो तरफ मार्गो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता नेशनल हाइवे को निर्देशित करते हुए कहा कि चील्ह की तरफ से पुल पर आने वाले सड़क के दोनो किनारे को सड़क के बराबर लेबल कराएं ताकि गाड़िया आसानी से आ जा सके। निरीक्षण के दौरान शास्त्री ब्रिज से चील्ह तिराहे तक दोनो तरफ फुटपाथ सड़क से नीचे होने के कारण गाड़ियो के आवागमन में बाधित हो रही है। निरीक्षण के दौरान शास्त्री ब्रिज से जान्हवी की तरफ से फुटपाथ को लेबल कराने का निर्देश दिया गया।

तालाब में मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों में फैला दहशत का माहौल

तीसरा विकल्प न्यूज शेर खान ब्यूरो बिजनौर

नजीबाबाद। तालाब के किनारे मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि एक नहीं, बल्कि दो मगरमच्छ तालाब के किनारे दिखाई दिए हैं। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम जहानाबाद के तालाब में दो मगरमच्छ दिखाई दिए। ग्रामीणों के अनुसार दोनों मगरमच्छ काफी बड़े थे, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। वन विभाग के डिप्टी रेंजर हरगोविंद अपनी टीम को लेकर रेस्क्यू के लिए पहुंचे, परंतु वहां पर मगरमच्छ की कोई हलचल न होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। डिप्टी रेंजर हरगोविंद ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही वह मगरमच्छ को पकड़ लेंगे और ग्रामीणों को दहशत भरे माहौल से जल्द ही निजात दिला देंगे। सूचना मिलने पर भारतीय किसान यूनियन से अंचल शर्मा भी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे एवं ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वह मगरमच्छ को पकड़ने में वन विभाग का सहयोग करेंगे। तालाब पर इकट्ठा भीड़ में जहानाबाद के मौजूदा ग्राम प्रधान, किसान यूनियन के कार्यकर्ता, पान्नाहीमपुर के ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण काफी संख्या में मौजूद थे।

महामना मालवीय - अटल अखिल भारतीय काव्य संगम -25 दिसम्बर 2025 को वाराणसी में होगा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। महामना मालवीय-अटल अखिल भारतीय काव्य संगम एवं विशेष मानद सम्मान समारोह - 25 दिसम्बर 2025 को पूर्वाह्न - 11-30 बजे से महामना मालवीय सभागार,काशी सेवा समिति,शाह नर्सिंग होम के ठीक सामने,रामकटोरा, लहुराबीर, वाराणसी उ.प्र.में होगा। काशी हिन्दी विद्यापीठ द्वारा संचालित अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद् एवं सोशल एण्ड मोटिवेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले उक्त आयोजन में काव्य पाठ में सहभागी बन सकते हैं। बाहर से आने वाले रचनाकारों को चौबीस घंटे तक आयोजन समिति द्वारा प्रवास, अल्पाहार आदि की व्यवस्था जो सहभागी बनने वाले रचनाकारों के साथ आने वाले अतिरिक्त लोगों को आयोजक मण्डल द्वारा कोई व्यवस्था नहीं दिया जाएगा। इसके लिए आर्थिक योगदान करना पड़ेगा।विशेष जानकारी के लिए प्रमुख संयोजक कवि इन्द्रजीत तिवारी निर्भीक के उपरोक्त संपर्क सूत्र पर संपर्क किया जा सकता है। बिना पूर्व सूचना दिये आने वाले रचनाकारों को काव्य पाठ या अन्य व्यवस्था नहीं दिया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एचई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। किशोरावस्था को काफी संवेदनशील माना गया है। इसमें उम्र के बढ़ने के साथ शारीरिक और हार्मोनल बदलाव तेजी से होते हैं। मन में कई प्रकार के चिंता और प्रश्न आने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि किसी भी विषय को लेकर चिंता और अवसाद में नहीं रहे। जिज्ञासु बने, अपने अभिभावक से जरूर शेयर करें। यह बातें शुक्रवार को हीरापुर स्थित एचई स्कूल में सदर अस्पताल की युवा मैत्री केंद्र की काउंसलर रानी प्रसाद ने कही। वह शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोरियों को जागरुक कर रही थी। उन्होंने बताया कि छात्राओं को पोषण से संबंधित जानकारी दी गई। अपने पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई बताया गया कि लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं पोषण की कमी से एनीमिया की शिकार हो जाती है। इसके साथ ही पर्सनल हाइजीन की जानकारी दी गई। किशोरियों को तनाव प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। मौके पर प्राचार्य राजेश कुमार समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

किशोरावस्था अत्यंत संवेदनशील

रानी प्रसाद ने बताया कि किशोरावस्था में परिपक्वता मजबूत नहीं होती है। इस ग्रुप में सैद्धांतिक ज्ञान की अपेक्षा व्यवहारिक ज्ञान की कमी होती है। यही वजह है कि किशोर अवस्था में बच्चे हमेशा दुविधा की स्थिति में रहते हैं। इस अवस्था में अभिभावकों एवं शिक्षकों के अधिक केयर की जरूरत है। ऐसे में जरूरी हो जाता है किशोर किशोरियों का मार्गदर्शन करते रहें, और समय-समय पर उन्हें उचित और बेहतर काउंसलिंग करते रहें।

अभिभावक से अच्छा और सच्चा दोस्त कोई नहीं

छात्रों को बताया गया कि सोशल साइट के उपयोग करते वक्त सावधान रहने की जरूरत है। सोशल साइट पर कई गलत सामग्रियां रहती हैं। अनजान से संपर्क नहीं करना चाहिए। कोशिश यही करें कि सोशल साइट का उपयोग कम करें। और यदि करते भी हैं तो केवल अपने परिचित के आसपास ही रहे। अपने अभिभावक से कुछ भी ना छुपाए। हर दिन की होने वाली गतिविधि से उन्हें जरूर अवगत कराएं। क्योंकि अभिभावक से अच्छा और सच्चा दोस्त कोई नहीं होता।

सिविल डिफेन्स ट्रैनिंग द्वितीय बैच का समापन चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र ने किया सिटी मजिस्ट्रेट का स्वागत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सिविल डिफेन्स द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय बैच का सफल समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानचन्द्र गुप्ता सिटी मजिस्ट्रेट, लखनऊ उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ज्ञानचन्द्र गुप्ता को चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र के पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यह प्रशिक्षण लगभग एक सप्ताह से निरंतर चल रहा था, जिसकी कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों एवं प्रदर्शन का अवलोकन एल ई डी पर मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र ने बताया कि सिविल डिफेन्स प्रथम रिस्पॉन्डर के रूप में बिना किसी उपकरण के भी राहत एवं बचाव का कार्य करता है। दुर्घटना या संकट की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है कार्य घटना का सही मूल्यांकन, समस्या की प्रकृति को समझना, कैसे राहत पहुंचाई जा सकती है तथा तत्काल 112 हेल्पलाइन पर सटीक सूचना देना। उन्होंने कहा कि आसपास की परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों, संभावित जोखिमों तथा घायल व्यक्तियों की आवश्यकता को समझते हुए ही प्रभावी सहायता प्रदान की जा सकती है। इसी क्रम में उन्होंने आपदा प्रबंधन, फायर सेफ्टी तथा प्राथमिक उपचार कैसे वहां तक पहुंचाया जाय। मुख्य अतिथि ज्ञानचन्द्र गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कोविड के दौरान सिविल डिफेन्स के महत्वपूर्ण कार्य को निकट से देखा है। अभी हाल में में सम्पन्न हुई परिक्षा के दौरान परिक्षार्थियों को आयी समस्या के निदान में मदद सिविल डिफेन्स ने की और राहत एवं बचाव कार्यों में सिविल डिफेन्स के स्वयंसेवक लगातार उत्कृष्ट सेवा दे रहे हैं, जो राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा का परिचायक है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप नियंत्रक रवींद्र कुमार एस.ओ. और चीफ वार्डन ऋतु राज रस्तोगी डी डबल्यू नफीस अहमद,संजय,जौहर, डी डी डबल्यू ऐश्वर्या शर्मा,राम गोपाल एस.ओ. अयाज,संतोष ए.डी.सी. मनोज,ऋषि,मुकेश,ममता,रेखा आदि उपस्थित रहे।

बी.आई.टी. सिंदरी के असैनिक अभियंत्रण विभाग में AICTE-DPS स्कीम के तहत संवादात्मक सत्र का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। बी.आई.टी. सिंदरी के असैनिक अभियंत्रण विभाग में 12 दिसंबर को AICTE की Distinguished Professor Scheme (DPS) के अंतर्गत एक संवादात्मक सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक शैक्षणिक एवं संवादात्मक गतिविधियों का समावेश था। इस अवसर के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) पिजूस समुइ, प्राध्यापक, एन.आई.टी. पटना, उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत फैकल्टी इंटरेक्शन सत्र से हुई, जहाँ विभाग द्वारा डॉ? समुइ का पुष्पगुछ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में मशीन लर्निंग के उपयोग और उसकी अनिवार्यता पर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इसके उपरांत C-51 में 'असैनिक अभियंत्रण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका' विषय पर तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो? प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि के असैनिक अभियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानों का उल्लेख करते हुए निदेशक डॉ. पंकज राय तथा AICTE के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्य अतिथि डॉ. समुइ ने अपने विस्तृत वक्तव्य में भू-तकनीकी जाँच एवं स्थल-लक्षण निर्धारण की महत्ता पर विशेष बल देते हुए बताया कि लगभग 46त्न संरचनात्मक विफलताएँ अपर्याप्त स्थल-जाँच के कारण होती हैं। उन्होंने विभिन्न जाँच-परीक्षण विधियों की जानकारी दी तथा सिविल इंजीनियरिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बढ़ते प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बी.आई.टी. सिंदरी से अपने जुड़ाव के अनुभव भी साझा किए। वक्तव्य के पश्चात आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में उन्होंने छात्रों के प्रश्नों का समाधान किया तथा उच्च शिक्षा के अवसरों, विशेषकर बी.टेक के बाद सीधे पीएचडी के विकल्प पर प्रकाश डाला। डॉ? समुइ ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों से उनके प्रोजेक्ट कार्यों पर चर्चा की एवंउन्होंने प्रशिक्षण, कौशल-विकास और सामाजिक संबंधों की महत्ता भी रेखांकित की। इसके बाद विभाग द्वारा उन्हें प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। समारोह के समापन पर डॉ? माया राजनारायण रे ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न प्रदान किया। तत्पश्चात प्रो. प्रशांत रंजन मालवीय ने डॉ. समुइ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रेरणादायी योगदानों का उल्लेख किया। उन्होंने पुनः इस कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए निदेशक डॉ. पंकज राय तथा AICTE के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी के साथ यह संवादात्मक सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के प्रो. (डॉ.) उदय कुमार सिंह, डॉ. जीतू कुजूर, डॉ. ब्रह्मदेव यादव, डॉ. निशिकान्त किस्कु, डॉ. कोमल कुमारी, डॉ. अभिजीत आनंद, प्रो. सरोज मीणा का विशेष योगदान रहा।

सड़क दुर्घटना में घायल को समय पर मिली मदद- रुश्दी मियां की तत्परता से बची युवक की जिंदगी

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। रुदौली क्षेत्र के बनमऊ जंगल के पास शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब सतनाम पुत्र सुखराम (22 वर्ष),निवासी ग्राम पड़रिया मजरा बड़ेला,सड़क पार कर रहे थे। अचानक असंतुलित हुई तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी,जिससे वह सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। इसी दौरान गणेशपुर के कोटेदार रमेश सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे उत्तर प्रदेश के पूव मंत्रीध् विधायक सैय्यद अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां वहां से गुजर रहे थे।

जैसे ही उन्होंने सड़क पर तड़प रहे युवक को देखा,उन्होंने बिना एक पल की देरी किए अपना काफिला रुकवाया और तत्काल घायल युवक को अपनी निजी गाड़ी से सीएचसी रुदौली लेकर पहुंचे। घटना स्थल पर सुरजीत चौहान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे,जिन्होंने यातायात संभालने के साथ-साथ एंबुलेंस और पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की जांच में जुट गई है। सीएचसी रुदौली पहुंचने पर पूर्व विधायक ने डॉक्टरों से कहा कि घायल युवक को सबसे बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। मेडिकल टीम ने युवक की गंभीर चोटों को देखते हुए प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में पूर्व विधायक की मानवता और तत्परता की सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर रुश्दी मियां समय पर न पहुँचते,तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

सपा नेत्री श्रेया पटेल द्वारा घर-घर जाकर एस.आई.आर फॉर्म भरने के अभियान से क्षेत्रीय जनता को मिली बड़ी सहायता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) अभियान के तहत पटरंगा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की नेत्री एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्रेया पटेल ने लोगों को जागरूक करते हुए घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की महत्वपूर्ण पहल की। सपा नेत्री श्रेया पटेल ने बताया कि शुरुआती दौर में लगाए गए कैंप में अत्यधिक भीड़ के कारण आमजन को असुविधा हो रही थी। इस स्थिति को देखते हुए श्रेया पटेल ने व्यक्तिगत रूप से घर-घर अभियान चलाते हुए सुबह से देर रात तक लोगों के एस.आई.आर फॉर्म भरने में सहायता की। इस दौरान जिन लोगों को फॉर्म भरने में कोई समस्या आ रही थी,तो उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जा रहा था। इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से वर्ष 2003 की मतदाता सूची डाउनलोड कर क्षेत्र के लोगों के संबंधियों का विवरण खोजकर उपलब्ध कराया,जिससे मतदाताओं और बीएलओ दोनों को बड़ी राहत मिली। श्रेया पटेल के इस जन-हितैषी प्रयास से क्षेत्र में अधिकांश एस.आई.आर फॉर्म सफलतापूर्वक भरे जा चुके हैं। उनके इस समर्पण और सेवाभाव की पूरे क्षेत्र में व्यापक सराहना की जा रही है। और भूरि भूरि प्रशंसा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा कुछ समय बढ़ाए जाने से छुटे हुए मतदाताओं को राहत मिलेगी,उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि शेष बचे लोग जल्द से जल्द एसआई आर फार्म भरकर बी.एल.ओ के पास जमा करे। जिससे सभी मतदाताओं को उनका अधिकार मिल सके।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम द डिजिटल पेडागॉजी- एजुकेटर्स फॉर टुमॉरो का आयोजन होगा 15 से 21 दिसंबर तक।

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वाराणसी। अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), वाराणसी द्वारा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के ग्लोबल साउथ (साउथ-साउथ कोऑपरेशन) के अंतर्गत इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम द डिजिटल पेडागॉजी-एजुकेटर्स फॉर टुमॉरो का आयोजन 15-21 दिसंबर 2025 तक किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ग्लोबल साउथ के देशों के शिक्षकों को डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करने और भविष्य-उन्मुख शिक्षण पद्धतियों से सशक्त बनाने तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान, तकनीक, शिक्षण कौशल को प्रचारित प्रसारित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिजिटल पेडागॉजी, मानवीय विकास, ब्रेन साइंस, सामाजिक-

भावनात्मक अधिगम (एसईएल), यूनिवर्सल डिज़ाइन फॉर लर्निंग (यूडीएल), डिजिटल नागरिकता, समावेशी कक्षा-डिज़ाइन, और तकनीक-सक्षम मूल्यांकन पर विस्तृत मॉड्यूल शामिल हैं। प्रतिभागी लाइव वर्कशॉप, डिजिटल असाइनमेंट, केस स्टडी, समावेशी पाठ-डिज़ाइन गतिविधियों, और पाठ योजना प्रस्तुति के माध्यम से तकनीकी एवं भावनात्मक रूप से समर्थ शिक्षण वातावरण तैयार करना सीखेंगे। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को विविध शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को समझने, डिजिटल टूल्स का सुरक्षित उपयोग करने, और कक्षाओं में नवाचार लागू करने की व्यापक क्षमता प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम डिजिटल पेडागॉजी की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करता है और 21वीं सदी के शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशलों के विकास को बढ़ावा देता है। यह पहल शिक्षकों को समावेशी, भावनात्मक रूप से संवेदनशील तथा तकनीक-सक्षम शिक्षण वातावरण तैयार करने हेतु सक्षम बनाएगी, भारत की वैश्विक शिक्षा-नेतृत्व भूमिका को मजबूत करेगी तथा साउथ-साउथ कोऑपरेशन को नई गति प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम भविष्य के शिक्षण परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए आईयूसीटीई द्वारा तैयार किया गया है, जिसमें डिजिटल क्षमता, सहानुभूति-आधारित शिक्षण, मूल्यांकन नवाचार और वैश्विक शिक्षा मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण शामिल है। यह कोर्स शिक्षकों को आजीवन सीखने और डिजिटल साक्षरता की ओर प्रेरित करेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीलंका, बेलारूस, कम्बोडिया, इक्वाडोर, घाना, कजाकिस्तान, केन्या, मोरक्को, मोज़ाम्बिक, म्यांमार, नामीबिया, नेपाल, रूस, रवांडा, तंजानिया, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, इथियोपिया, ताजिकिस्तान, ज़ाम्बिया, ज़िम्बाब्वे, कोट द'ईवोआर, और ट्रिनिडाड और टोबैगो 24 देशों के 40 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। उनकी सहभागिता से यह पहल ग्लोबल साउथ के बीच सहयोग, ज्ञान-साझाकरण, और शैक्षिक नवाचारों को एक नई दिशा प्रदान करेगी, साथ ही वैश्विक नागरिकता की भावना के विकास, शैक्षिक- सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं भारतीय ज्ञान के प्रसार की दिशा में एक सार्थक योगदान देगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक प्रो. आशीष श्रीवास्तव, संकाय प्रमुख (शैक्षणिक एवं शोध), आईयूसीटीई हैं, जबकि इसका समन्वयन डॉ. राजा पाठक, सहायक आचार्य, आईयूसीटीई द्वारा किया जा रहा है। सह-समन्वयक के रूप में डॉ. दीप्ति गुप्ता, सहायक आचार्य, आईयूसीटीई और डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य, आईयूसीटीई अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्र के अन्य समस्त संकाय सदस्य एवं कर्मचारी भी इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान कर रहे हैं।

मातृशक्ति का सशक्तिकरण ही भारत के विकास का वास्तविक आधार है - डॉ. राजेश्वर सिंह

❑ सरोजनी नगर में मातृशक्ति का नवजागरण - डॉ. राजेश्वर सिंह का सशक्तिकरण अभियान ❑ ताराशक्ति केंद्रों से डिजिटल लाइब्रेरी तक- सरोजनीनगर में महिलाओं का आत्मनिर्भर भारत मॉडल ❑ शिक्षा, कौशल और आत्मविश्वास - सरोजनी नगर बना नारी उत्थान का केंद्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मातृशक्ति का उत्थान भारत का उत्थान, इसी भाव के साथ सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सशक्त संदेश जारी किया। अपने संदेश मेंडॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि जब मातृशक्ति आगे बढ़ती है, तो भारत उठ खड़ा होता है। विश्व बैंक के अनुसार, यदि भारत में पुरुषों जितनी महिलाएँ कार्यक्षेत्र में आएँ, तो GDP में 27 % की वृद्धि संभव है। फिर भी आज केवल 41 % मातृशक्ति कार्यबल में सक्रिय है (PLFS 2023)। मातृशक्ति का जागरण ही भारत की प्रगति का सबसे बड़ा इंजन है। - डॉ. राजेश्वर सिंह आत्मनिर्भर मातृशक्ति = आत्मनिर्भर भारत इलो रिपोर्ट के अनुसार, जब कोई महिला कमाती है तो परिवार की शिक्षा पर 90 % तक अधिक खर्च होता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि कामकाजी माताएँ न केवल अपने परिवार को संभालती हैं, बल्कि राष्ट्र की सामाजिक पूँजी का निर्माण करती हैं। जब माँ कमाती है, तो बच्चों के सपने पंख पाते हैं। - डॉ. राजेश्वर सिंह सरोजनीनगर - नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रीय उदाहरण डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में सरोजनीनगर ने महिलाओं के आत्मनिर्भरता मॉडल को जन आंदोलन बना दिया है - 160 ताराशक्ति केंद्रों पर हज़ारों महिलाएँ सिलाई, कढ़ाई, डिज़ाइनिंग और उद्यम से आत्मनिर्भर हो रही हैं। 14 आरबीएस डिजिटल एंपावरमेंट सेंटर में बेटियाँ आल कोडिंग और इंग्लिश कम्युनिकेशन सीख रही हैं। सरोजिनी नगर स्पोर्ट्स लीग ने नारी शक्ति में आत्मविश्वास की नई लहर लाई है। यह केवल विकास नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण है। - डॉ. राजेश्वर सिंह शिक्षा, कौशल और खेल - मातृशक्ति के तीन पंख डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाओं से बालिकाओं को नई दिशा मिली है। छात्रवृत्तियाँ और साइकिल वितरण से लाखों बालिकाएँ विद्यालय पहुँच रही हैं। सरोजनीनगर में 700 से अधिक मेधावी बालिकाओं को लैपटॉप और साइकिलें प्रदान की गई, यह संदेश देते हुए कि मेहनत ही सम्मान है। डिजिटल एंपावरमेंट सेंटर बेटियाँ बना रहीं नया भारत आरबीएस डिजिटल एंपावरमेंट में बेटियाँ अब पाइथन आल और डाटा एनालिसिस सीख रही हैं। डिजिटल सरोजिनी नगर मॉडल के अंतर्गत 14 से अधिक डिजिटल लाइब्रेरीज़ में 500 से अधिक बच्चे प्रतिदिन अध्ययन कर रहे हैं। AI के युग में यदि हमारी बेटियाँ डिजिटल लीडर बन गईं, तो भारत दुनिया को नेतृत्व देगा। - डॉ. राजेश्वर सिंह आँकड़ों से साक्ष्य तक - भारत में परिवर्तन के लहर ये आँकड़े दिखाते हैं कि नारी शक्ति अब सीमाएँ नहीं, इतिहास बदल रही है। हर पंचायत से हर संस्थान तक - समान भागीदारी का संकल्प डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, अब समय है 'अनुमति' से 'भागीदारी' की ओर बढ़ने का। हर पंचायत, हर कार्यालय और हर संस्थान में मातृशक्ति की समान उपस्थिति भविष्य की ओर - विकसित भारत 2047 में मातृशक्ति की भूमिका भारत विश्व का सबसे युवा जनसंख्या वाला देश है। यदि हर बेटी को शिक्षा, रोज़गार और उद्यम के अवसर मिलें, तो भारत 2047 तक विकसित भारत और विश्वास गुरु भारत दोनों बन सकता है। जब आधी आबादी अपनी जिम्मेदारी उठाती है, तो भारत पूरी उड़ान भरता है। – डॉ. राजेश्वर सिंह निष्कर्ष- सरोजनी नगर आज यह संदेश दे रहा है, जब मातृशक्ति काम करती है, तो परिवार उठता है; जब लाखों मातृशक्तियाँ काम करती हैं, तो भारत विश्व में सिर ऊँचा उठाता है।

नगर आयुक्त ने रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

➪ रैन बसेरों में अव्यवस्थाएं मिली सुधार के निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न रैनबसेरों और कॉलोनियों का औचक निरीक्षण किया। कई स्थानों पर अव्यवस्थाएँ मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के आदेश दिए। निरीक्षण में चीफ इंजीनियर सिविल महेश वर्मा सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।पीछे सीवर जाम की समस्या मिली। नगर आयुक्त ने जीएम जलकल को तत्काल समाधान के निर्देश दिए।सीवर जाम, जलभराव और कूड़ा फैलने की शिकायतें मिलीं। उन्होंने एलएसए को अगले दिन से नियमित डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित करने के आदेश दिए।बढ़ती सर्दी को देखते हुए बेड की संख्या बढ़ाने के निर्देश।मवेशियों की देखभाल, भूसा और भोजन व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। तैयारियों का निरीक्षण कर सुधार संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए नगर आयुक्त ने कहा कि रैनबसेरों और कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्कूल जा रही छात्रा को ईको वैन ने कुचला, इलाज के दौरान मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर में गुरुवार सुबह साइकिल से पढ़ने स्कूल जा रही कक्षा 6 की छात्रा को एक तेज रफ्तार बेकाबू ईको वैन ने जोरदार ठोकर मार दी।हादसे में छात्रा बुरी तरह घायल हो गई। गंभीर हालत में उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सरोजनी नगर के अमौसी गांव निवासी सुजीत सिंह नादरगंज स्थित एक कंपनी में नौकरी करते हैं। सुजीत की बेटी प्रियांशी सिंह (13) अमौसी रेलवे स्टेशन के पास स्थित श्री विनायक कान्वेंट स्कूल में कक्षा 6 की छात्रा थी। प्रियांशी रोज की तरह गुरुवार सुबह करीब 8 बजे साइकिल से स्कूल जा रही थी। तभी घर से निकलने के बाद जैसे वह रोड पर पहुंची।इसी दौरान अमौसी गांव में पीछे से आ रही तेज रफ्तार ईको वैन ने उसकी साइकिल में जोरदार ठोकर मार दी। इससे प्रियांशी उछलकर सिर के बल काफी दूर रोड पर जा गिरी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं घटना के बाद ईको वैन चालक वाहन सहित वहां से फरार हो गया। बाद में लोगों ने इसकी सूचना छात्रा के परिजनों को दी। सूचना के बाद पहुंचे परिजनों ने उसे आनन-फानन ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। मृतक छात्रा के परिवार में उसके पिता सुजीत सिंह के अलावा मां कल्याणी और बड़ी बहन शगुन है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

राजधानी में निकली साई बाबा की चरण पादुका यात्रा

❑ आस्था का उमड़ा सैलाब, ढोल-नगाड़ों के साथ भक्तिभाव में सराबोर हुए भक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शिरडी से पधारी साई बाबा की पावन चरण पादुकाओं की पादुका यात्रा में शंखनाद, ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी के बीच नगर भ्रमण पर निकली गई श्री साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट द्वारा चरण पादुका यात्रा के दूसरे दिन की शुरुआत कपूरथला साईं बाब मन्दिर से चरण पादुका यात्रा निकली गईं जिसमें बड़ी संख्या में भक्त नाचते गाते, फूलों की वर्षा करते हुए बाबा के चरण पादुका को कार्यक्रम स्थल द गोल्डन सेलिब्रेशन पहुंचे जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने साईं बाबा के चरण पादुका के दर्शन किए। कार्यक्रम आयोजक राजेश अरोड़ा ने बताया कि दोपहर 1 बजे पूज्य गुरु शुभ्रम बहल ने साईं बाबा की जनसेवार्थ भाव पर कथा के माध्यम से प्रकाश डाला और लीलाओं का गुणगान किया। शाम 4 बजे विष्णु तिवारी साईं भजन प्रस्तुति किया फिर शाम 6-30 बजे धूप आरती, उसके बाद सायं 7 बजे विश्वविख्यात भजन गायक पारस जैन साईं बाबा प्रसिद्ध भजनों का रसपान भक्तों को करवाया। भजन गायक पारस जैन ने 'मेरे घर के आगे साईं नाथ तेरा मंदिर बन जाए' ,शिरडी वाले साईं बाबा आया हूं बनके सवाली,,,साईंनाथ तेरे हजारों हाथ,,,जिनकी धूनी जले निरंतर, वर दे जिनके हाथ,सो हमरी रक्षा करें, सद्गुरु साई नाथ,,,भजन सुनाया सारा वातावरण भक्तिमय कर दिया प्रवक्ता अनुराग साहू ने बताया कि साईं चरण पादुका यात्रा का रात्रि 10 बजे कार्यक्रम के उपरान्त बाराबंकी को प्रस्थान करेगी ।

समाचार

नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने युवा- डॉ. पूनम सिन्हा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करते हुए निसबड की महानिदेशक डॉ. पूनम सिन्हा ने कहा कि आज का समय कौशल और नवाचार का है, इसलिए युवाओं को नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से स्टार्टअप और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बन रहा है, ऐसे में कौशलयुक्त युवा देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कानपुर रोड स्थित लखनऊ पॉलिटेक्निक में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा प्रशिक्षु शामिल हुए। डॉ. सिन्हा ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं अन्य सरकारी योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध अवसरों की जानकारी देते हुए कहा कि सोलर ऊर्जा, मशीनरी मरम्मत, इलेक्ट्रिक इंस्टॉलेशन, सेवा क्षेत्र और घरेलू उद्योगों में स्व-रोजगार की संभावनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि निसबड का उद्देश्य युवाओं में उद्यमिता का भाव जगाना और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि देश में हर क्षेत्र में कुशल युवाओं की भारी मांग है और आज का युवा यदि कौशल आधारित प्रशिक्षण प्राप्त कर ले तो वह स्वयं का व्यवसाय शुरू करके न सिर्फ अपनी बल्कि कई लोगों की आजीविका का साधन बन सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि अपने भीतर आत्मविश्वास पैदा करें, छोटे से काम की शुरुआत करें और धीरे-धीरे उसे व्यवसाय का रूप दें। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने सोलर पीवी इंस्टॉलेशन, तकनीकी कार्यप्रणालियों और सुरक्षा मानकों से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें रोजगार और उद्यमिता दोनों के क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। निसबड द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं को कौशल, आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में प्रेरित करने में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

साप्ताहिक साइबर सिक्योरिटी एवं डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स का समापन समारोह सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में शुक्रवार को आईफोरसी (द्व4सी), गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित साप्ताहिक साइबर सिक्योरिटी एवं डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090) सुभाष दुबे थे। संस्थान के अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस कोर्स में

उत्तर प्रदेश सहित दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के कुल 40 अधिकारियों ने प्रतिभागिता की। मुख्य अतिथि आईजी सुभाष दुबे ने कोर्स पूर्ण करने पर अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिसिंग में कौशल सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि तकनीकी अपराधों के लगातार जटिल होते स्वरूप को देखते हुए ऐसे प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। सीखना एक सतत प्रक्रिया है और हर प्रशिक्षण अधिकारी को नई दृष्टि व दक्षता प्रदान करता है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की भी सलाह दी। कहा कि स्वस्थ शरीर और संतुलित मन से ही पुलिसकर्मी समाज की बेहतर सेवा कर सकते हैं। आईजी सुभाष दुबे ने यूपीएसआईएफएस को उत्कृष्ट संस्थान बनाने में निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी के प्रयासों की सराहना भी की तथा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने कहा कि वर्तमान दौर में पुलिस विभाग के लिए आधुनिक तकनीक की समझ आवश्यक है। साइबर अपराधों से निपटने में ऐसे प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रशासनिक अधिकारी अतुल यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम के संचालन में आई चुनौतियों के बावजूद कोर्स सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जो सभी के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। समारोह में एआर विवेक कुमार, जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह, फैकल्टी डॉ. मनीष राय, गिरिजेश राय, शैलेन्द्र सिंह, डॉ. पलक, कार्तिकेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दो किसानों के खेत से ट्यूबवेल में लगी समरसेबल सहित अन्य सामान चोरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने दो किसानों के खेतों से ट्यूबवेल में लगी समरसेबल सहित कई अन्य सामान चोरी कर लिए। शुक्रवार सुबह जानकारी होने के बाद पीड़ित किसानों ने इसकी सूचना बंथरा पुलिस को दी। पुलिस किसानों की तहरीर के आधार पर चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है। बंथरा के चक- अमावा निवासी किसान बाबूलाल के मुताबिक घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित खेतों में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल स्थित है। उनका कहना है कि गुरुवार शाम को वह अपने ट्यूबवेल की पक्की कोठरी में ताला बंद कर घर चले गए।

शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे जब वह ट्यूबवेल पर पहुंचे तो उसका ताला टूटा होने के साथ बोरिंग में पड़ी 10 हॉर्स पावर की समरसेबल, प्लास्टिक के पाइप, तार और स्टार्टर सहित कोठरी के अंदर मरम्मत करा कर रखी गई एक 12.5 हॉर्स पावर की अन्य समरसेबल पंप गायब मिली।

साथ ही बोरिंग की पाइप के अंदर घास फूस और ईंट पत्थर पड़े मिले। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना बंथरा पुलिस को दी। वहीं इसी गाँव के रहने वाले भोला सिंह का कहना है कि वह भी गुरुवार शाम करीब 6 बजे अपने खेत में लगे ट्यूबवेल में ताला बंद कर घर चले गए। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे जब अपने खेत पहुंचे, तो उनकी कोठरी के बाहर बोरिंग में पड़ी 7.5 हॉर्स पावर की समरसेबल पंप, विद्युत केबल, बोरिंग की पाइप व अन्य सामान गायब मिला। उनका कहना है कि चोरों ने घटना अंजाम देने के बाद बोरिंग के अंदर घास फूस डालकर उसे भी डैमेज कर दिया। बाद में भोला ने इसकी सूचना बंथरा पुलिस को दी।

फिलहाल बंथरा पुलिस दोनों किसानों की तहरीर पर चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है।

पारा की कांशीराम कॉलोनी में प्रेम संबंधों के विवाद में फायरिंग, डांसर युवती घायल - आरोपी प्रेमी फरार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के सदरौना स्थित कांशीराम कॉलोनी में बृहस्पतिवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई। शराब के नशे में धुत एक युवक ने अपनी डांसर प्रेमिका पर अवैध तमंचे से फायरिंग कर दी, जिसमें युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आरोपी काली स्कॉर्पियो में फरार हो गया। घायल युवती की पहचान लक्ष्मी थापा उर्फ लवली (21) के रूप में हुई है, जो कॉलोनी के मकान संख्या 14/13 में अपनी बहन के साथ किराए पर रहती है। लवली स्टेज डांस करती है और इसी बात को लेकर उसका प्रेमी आकाश कश्यप अक्सर आपत्ति करता था। दोनों का करीब एक साल से प्रेम संबंध था, लेकिन आकाश की आपराधिक प्रवृत्ति से परेशान होकर लवली ने कुछ समय पहले उससे बात करना बंद कर दिया था। यही बात आकाश को नागवार गुजरी। शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे वह शराब के नशे में लवली के कमरे पर पहुंचा। दरवाजा खुलते ही उसने झगड़ा शुरू कर दिया और मारपीट पर उतर आया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने कमरे के अंदर ही तमंचा निकालकर फायर कर दिया। गोली लवली के दाहिने हाथ में कंधे के पास जा लगी और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आकाश अपनी स्कॉर्पियो में बैठकर फरार हो चुका था। पड़ोस में रहने वाले पंडित नाम के युवक ने घायल लवली को स्कूटी से तुरंत लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। बहन राधिका की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक घायल युवती की बहन राधिका की तहरीर पर आकाश कश्यप के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कॉलोनी और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

अखिलेश यादव पहुंचे हैदराबाद- शनिवार को सपा द्वारा आयोजित विजन इण्डिया (एआई समिट) में होंगे शामिल

हैदराबाद पहुँचने पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव का किया स्वागत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद पहुंचे। हैदराबाद के समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और हजारों लोगों ने श्री अखिलेश यादव का गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। श्री अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ रथ पर सवार होकर निकले तो सड़क के दोनों किनारों पर लोगों ने खड़े होकर फूलमालाओं से स्वागत किया, जिन्दाबाद के नारे लगाए। श्री यादव हैदराबाद में शनिवार को समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित विजन इंडिया: एआई समिट में शामिल होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि आज भारत ऐसा देश बन गया है, जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। समस्याओं का समाधान करने के लिए हमने एक रास्ता सोचा है विजन इंडिया जो एक सकारात्मक, यथार्थवादी, प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा। हैदराबाद पहुंचने पर मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज हर जगह और हर स्तर पर एआई (आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस) का प्रभाव बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र, मेडिकल क्षेत्र

और अन्य सेक्टर में एआई का प्रभाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हैदराबाद ने तकनीकी के क्षेत्र में बहुत विकास किया है। यहां बहुत काम हुआ है। समाजवादी पार्टी ने एआई को लेकर हैदराबाद में विजन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया है। विजन इंडिया का मकसद है देश विजन के साथ चले, न्यू इंडिया की दिशा में बढ़े, उस पर चर्चा हो। पॉलिटिकल डिवीजन की नहीं, विजन की हो। पॉलिटिक्स प्रोग्रेसिव हो, नेगेटिव न हो। इसीलिए हम हैदराबाद आये हैं। वोटरलिस्ट के एसआईआर को लेकर श्री यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को वोट बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए, जिससे वोट बढ़े। लेकिन देखा जा रहा है कि यूपी में करीब तीन करोड़ वोट कटने जा रहा है। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर साजिश कर रहे हैं कि जहां-जहां भाजपा हारी है वहां वोट काट दें। यह लोकतंत्र के खिलाफ षड़यंत्र है। एसआईआर के बहाने एनआरसी है श्री यादव ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया जिस तरह से हो रही है वह एसआईआर के बहाने एनआरसी है। भाजपा लोगों के कागज ढुंढ़वा रही है। तमाम तरह के कागज मांगे जा रहे हैं। सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि आधार को नहीं माना जा रहा है। आधार में सारी जानकारी है। आंख की रेटिना का इमेज है। फिंगरप्रिंट है। हर व्यक्ति के बारे में पूरी विस्तृत जानकारी है लेकिन उसे मान्य नहीं किया जा रहा है जिससे लोग परेशान है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा जनता को परेशान रखना चाहती है। भाजपा ने इसी तरह से नोटबंदी में परेषान किया, जीएसटी से व्यापारियों को परेशान किया, महंगाई बढ़ाई। कोविड में परेशान किया। अब एसआईआर से परेशान कर रही है। यूपी में तीन करोड़ लोगों का वोट कटने जा रहा है। जब लोगों का वोट ही नही होगा, वोट नहीं डाल पाएंगे, तो कैसा लोकतंत्र होगा। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी ने संविधान के द्वारा सभी को एक वोट डालने का अधिकार दिया था। यही वोट हमें हक दिलाता है। आरक्षण दिलाता है और न्याय दिलाता है। नौकरी दिलाता है। भाजपा उसी अधिकार को छीन रही है। यह भाजपा की साजिश है। जिन्होंने आजादी के आंदोलन में बंदे मातरम नही गाया, वे आज बंदे मातरम की बात कर रहे हैं श्री यादव ने वंदे मातरम् को लेकर कहा कि जिन्होंने आजादी के आंदोलन में वंदे मातरम् नहीं गाया था, आजादी के बाद भी नहीं गाया। जिन्हें तिरंगा नहीं पसंद है, एक रंगी पसंद है वे लोग आज वंदे मातरम की बात कर रहें हैं। इससे पहले एक सवाल के जवाब में श्री यादव ने कहा कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और पूर्व मंत्री केटीआर साहब हमारे साथी है। मैं उनके साथ हमेशा रहा हूं और साथ रहूंगा। श्री यादव के हैदराबाद पहुंचने पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवन्त रेड्डी ने उनका स्वागत किया और मुलाकात की।

संपादकीय

हमारे हितों की अनदेखी कर हमसे दोस्ती मुमकिन नहीं

अमेरिका की भारत-नीति दिन-ब-दिन अधिक विद्वेषपूर्ण होती जा रही है, लेकिन उसे यह मालूम होना चाहिए कि दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीतिक हितों के लिए भारत से अधिक महत्वपूर्ण कोई और शक्ति नहीं है। क्योंकि जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति और सैन्य क्षमता- जिनमें परमाणु क्षमता भी शामिल है- के लिहाज से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो एशिया पर प्रभुत्व जमाने और अमेरिका के वर्चस्व को बेदखल करने की चीन की कोशिशों को चुनौती दे सकता है। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल से ही वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए भारत के साथ साझेदारी को निर्णायक माना है। यह नीति कभी सिर्फ भाषणबाजी तक ही सीमित नहीं रही थी। पिछले एक दशक में तो अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंध तेजी से गहराए थे- विशेषकर सैन्य इंटर-ऑपरेबिलिटी, खुफिया सहयोग और तकनीकी लेनदेन के स्तर पर। वास्तव में, भारत-अमेरिका रिश्तों में बढ़त का एक हिस्सा तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल में घटा था। चीन पर दबाव बढ़ाने और पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता घटाने के साथ ही ट्रम्प ने भारत के साथ सहयोग को बढ़ाया, जो उनकी इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्र में था। इसका असर भी स्पष्ट है रू भारत आज किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक सैन्य अभ्यास करता है और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन चुका है। लेकिन इसी प्रक्रिया के बीच अमेरिका ने भारत को सतर्क रहने के कई कारण भी दिए। अफगानिस्तान से उसका अव्यवस्थित पलायन- जो बाइडेन के कार्यकाल में हुआ लेकिन जिसकी बुनियाद ट्रम्प द्वारा किए समझौते से पड़ी थी- ने अमेरिकी नेतृत्व की समझदारी और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए, क्योंकि इसने अफगानिस्तान को फिर से तालिबान के हवाले कर दिया। चिंताएं 2022 में तब और बढ़ीं, जब बाइडेन प्रशासन ने पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट दिलाने में मदद की और फिर उसके एफ-16 बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ डॉलर की भी मंजूरी दे दी। ट्रम्प ने भी पाकिस्तान के प्रति इस झुकाव को और तेज ही किया है, जिसका एक उदाहरण उससे की गई क्रिप्टोकरेंसी डील है। अमेरिका ने अकसर भारत के हितों की अनदेखी की है। इसके बावजूद रूस पर लगाए प्रतिबंधों को लागू कराने के मामले में वह भारत से पूरी निष्ठा की उम्मीद करता रहा। भारत इससे सहमत नहीं हुआ और उसने डिस्काउंटेड दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। भारत को सुदूर यूरोप में चल रहे किसी संघर्ष के लिए अपने राष्ट्रीय हितों की बलि देने का कोई कारण नहीं दिखा, खासकर तब, जब रूस पर पश्चिमी दबाव का सबसे बड़ा लाभार्थी चीन था। भारत इस समीकरण को पहले भी देख चुका है। 2019 में जब ट्रम्प ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए तो भारत अपने सबसे सस्ते और भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों में से एक से वंचित हो गया था। चीन ने इसका पूरा फायदा उठाया। उसने ईरानी कच्चा तेल भारी छूट पर खरीदा और वहां अपनी सुरक्षा मौजूदगी बढ़ाई। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद भी यही पैटर्न उभरा। पश्चिमी बाजारों से रूस को अलग कर देने के बाद उस पर लगाए प्रतिबंधों ने उसे चीन पर आर्थिक रूप से निर्भर बना दिया, जिससे चीन को रूस से आने वाले ऊर्जा-आपूर्ति मार्गों को मजबूत करने की क्षमता मिल गई। अब चीन जानता है कि ताइवान पर कार्रवाई करने पर भी रूसी ऊर्जा तक उसकी पहुंच नहीं घटेगी। इस बार भारत ने भी रूसी तेल पर उपलब्ध छूट का लाभ उठाया। अमेरिका भारत को अपने लिए जरूरी बताता है, लेकिन उसके हितों की अनदेखी भी करता है। वह चाहता है कि भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी रणनीति का आधार बने, लेकिन वो ऐसी नीतियां भी अपनाता है, जो भारत की आर्थिक क्षमता, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता को सीधे नुकसान पहुंचाती हैं। यही कारण है कि आज भारत अमेरिका के प्रति अविश्वास से भर गया है और उसे रूस से संबंध मजबूत करने को मजबूर होना पड़ रहा है। अमेरिका हमारे साथ अच्छे रिश्ते चाहता है तो उसे हमें बराबरी का दर्जा देना होगा। अमेरिका भारत को अपने लिए जरूरी बताता है, लेकिन उसके हितों की अनदेखी भी करता है। वह चाहता है कि भारत इंडो-पैसिफिक में उसकी रणनीति का आधार बने, लेकिन वो ऐसी नीतियां भी अपनाता है, जो हमें क्षति पहुंचाती हैं।

बचे बचपन

पश्चिमी देश, जिस सोशल मीडिया के गुणगान करते नहीं अघाते थे, अब उन्हें इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझ में आने लगी है। सुगबुगाहट तो ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक प्रतिबंधों को लेकर हो रही है, लेकिन इस दिशा में पहल करने का साहस आस्ट्रेलिया ने सुधारवादियों के दबाव में उठाया है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकार इसलिए वापस ले रहे हैं ताकि बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता की मानसिक शांति के अधिकार की रक्षा हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। साथ ही आस्ट्रेलिया के बच्चों को बचपन जीने का मौका देगा। आज दुनिया के तमाम देश मंथन कर रहे हैं यदि आस्ट्रेलिया यह पहल कर सकता है तो वे क्यों नहीं कर सकते। इनमें वे तमाम अभिभावक भी शामिल हैं जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिये सोशल मीडिया को जिम्मेदार मानते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में यदि सोशल मीडिया मंच 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट हटाने में असफल रहते हैं, तो उन्हें करीबन पांच करोड़ आस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना चुकाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है। आस्ट्रेलियाई सरकार क्रिसमस तक मूल्यांकन करेगी कि ये प्रतिबंध कितने कारगर साबित हुए हैं। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया की पहल ने पूरी दुनिया में सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखने की मुहिम को नई ऊर्जा दे दी है। कमोवेश, भारत जैसे देश भी सोशल मीडिया की असामाजिकता का दंश झेल रहे हैं। इसमें बच्चों के साथ ऑनलाइन बुलिंग से लेकर ऑनलाइन ठगी तक के तमाम मामले गाहे-बगाहे सामने आते रहते हैं। विडंबना है कि आज सोशल मीडिया पर प्रसारित वयस्कों की सामग्री से बच्चे जाने-अनजाने में परिचित हो रहे हैं। वे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं। जिससे समाज में तमाम तरह की सामाजिक विकृतियां पैदा हो रही हैं। निस्संदेह, इससे आने वाले समय में घातक सामाजिक विद्रूपताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल, बच्चों के लगातार घंटों कथित सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से उनमें तमाम शारीरिक व मानसिक विसंगतियां पैदा हो रही हैं। उन्हें संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले निहित स्वार्थी तत्व दे रहे हैं। जो कि भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के घातक प्रभाव के चलते आज बच्चों के नायक बदल गए हैं। उनके आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने किशोरों में ब्रह्मचर्य के भारतीय मूल्यों को ताक पर रख दिया है। विडंबना यह है कि घंटों सोशल मीडिया पर बैठे रहने वाले बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। जिससे उनमें मोटापा व अनेक गैर संक्रामक रोग पनप रहे हैं। वे किशोर अवस्था में मधुमेह आदि उन रोगों के शिकार बन रहे हैं जो कभी बड़ी उम्र के लोगों को हुआ करते थे। इस संकट का एक घातक पहलू यह भी है कि मोबाइल पर लगातार सोशल मीडिया के कार्यक्रम स्क्रॉल करने वाले बच्चों की मानसिक एकाग्रता बाधित हो रही है। जाहिर है इसका प्रभाव उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ेगा। एक समय दुनिया के तमाम देशों में जिन भारतीय प्रतिभाओं का डंका बजता था, शायद भविष्य में ऐसा न हो।

संसद के लिए काला दिन

"बुधवार को भारत के संसदीय इतिहास में एक और काला अध्याय उस समय जुड़ गया, जब केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधारों पर सरकार की तरफसे पक्ष रखते हुए एक अपशब्द के साथ चुनाव आयोग को जोड़ा"

बुधवार को भारत के संसदीय इतिहास में एक और काला अध्याय उस समय जुड़ गया, जब केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधारों पर सरकार की तरफ से पक्ष रखते हुए एक अपशब्द के साथ चुनाव आयोग को जोड़ा। हालांकि श्री शाह के बयान से उस शब्द को हटा दिया गया है। मीडिया भी इसकी चर्चा नहीं कर रहा, क्योंकि मामला भाजपा की साख का है। लेकिन इस मामले को न हल्के में लिया जाना चाहिए, न इसे उपेक्षित करना चाहिए। क्योंकि यहां सवाल संसद की मर्यादा का है।भारत की संसद पर आतंकी हमला, सदन के भीतर नोटों की गड्डी लहराना, बसपा के अल्पसंख्यक सांसद दानिश अली को भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी का अपशब्द कहना और भाजपा के बाकी सांसदों का उस पर हंसना, नए संसद भवन में दो युवकों द्वारा रंगीन धुआं छोड़ना, ऐसे कुछ प्रकरण हैं, जो गौरवशाली संसदीय इतिहास में दुरूस्वप्न की तरह हैं। इन घटनाओं को मिटाया नहीं जा सकता, लेकिन इनसे सबक लेते हुए आईंदा इन्हें घटने से रोका जा सकता है। लेकिन अफसोस है कि सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी इसमें न केवल नाकाम रही, बल्कि इस बार तो संसद के अपमान के लिए खुद गृहमंत्री ही जिम्मेदार हैं।अमित शाह ने गुजरात की राजनीति से आगे बढ़कर दिल्ली तक का सफर काफी जल्दी तय किया। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अमित शाह का सियासी कद भी बढ़ा। 2014 में भाजपा का अध्यक्ष पद संभालने के बाद वे 2019 में देश के गृहमंत्री बने और अब इस पद पर सबसे लंबे वक्त बनने वाले व्यक्ति बन चुके हैं। मोदी-शाह की जोड़ी ने भाजपा को सबसे ताकतवर पार्टी बना दिया है। मोदी का चेहरा और शाह की रणनीति भाजपा की जीत का असली कारक बताई जाती है। अमित शाह को तो आधुनिक चाणक्य तक कहा जाता है। हम नहीं जानते कि इस तरह की तुलना मीडिया के प्रचार की वजह से हुई या चापलूसी से, लेकिन कम से कम चाणक्य से गलती की उम्मीद तो न चाटुकारों को होगी, न भाजपा के कार्यकर्ताओं को। इस उम्मीद पर बुधवार को पानी फिर गया, जब विपक्ष को घेरने में अमित शाह ने लोकसभा के भीतर अपशब्द का प्रयोग किया।राहुल गांधी, गौरव गोगोई जैसे सांसदों ने इसका प्रतिवाद किया तो संभवतरू श्री शाह को अपनी गलती समझ आई और उन्होंने आसंदी से कहा कि मैंने अगर कुछ गलत कहा हो तो उसे हटा दीजिए।

अच्छी बात है कि श्री शाह ने खुद ही आसंदी से अपने शब्दों को हटाने कह दिया। लेकिन इसमें भी एक किस्म का अहंकार नजर आया, अपनी गलती पर शर्मिंदगी कहीं नहीं दिखी। अगर अमित शाह जानते हैं कि उनकी पार्टी में उन्हें चाणक्य माना जाता है, या उन्हें यह अहसास है कि वे सरकार में कितने शक्तिशाली हैं और गृहमंत्री के तौर पर कितनी अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं, तब उनसे ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए थी। चुनाव सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बोलते हुए एक-एक शब्द सोच-समझ कर इस्तेमाल करना चाहिए था। लेकिन भाजपा तो संसद को भी चुनावी मंच की तरह ही उपयोग में लाती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए रेनकोट पहन कर नहाने जैसी निम्नस्तरीय टिप्पणी कर चुके हैं, राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी की हंसी की तुलना शूर्पणखा की हंसी से कर चुके हैं। सदन में खड़े होकर बेबुनियाद बातें करना या विपक्ष पर मिथ्या आरोप गढ़ना भी भाजपा की आम रणनीति बन चुकी है। भाजपा को लगता होगा कि इस रणनीति में मर्यादा और नैतिकता के लिए जगह बनाई जाए तो फिर उसका असर कम हो जाएगा। संभवतरू इसलिए गंभीर विषयों पर भी हल्केपन के साथ चर्चा की जाती है, जिसमें अपशब्द शामिल हो सकते हैं, इसकी परवाह भी नहीं की जाती। अमित शाह की टिप्पणी के बाद कई सांसद चिंता जतला रहे हैं कि संसद में ये दिन भी देखना पड़ेगा, ऐसी कल्पना नहीं की थी। यह चिंता वाजिब है और यहीं विपक्ष की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ जाती है कि अब वो भाजपा को संसद को अपने राजनैतिक हितों का जरिया बनाने से रोके। देश के मीडिया को भी इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। भाजपा के एजेंडे के अनुरूप टीवी चौनलों पर जब से हिंदू-मुस्लिम बहसों को बढ़ावा दिया गया, स्टूडियो का माहौल बिगड़ चुका है। अब केवल चीखने-चिल्लाने कर ये बहसें सीमित नहीं हैं, बल्कि खुलकर अपशब्दों का इस्तेमाल और हाथापाई तक होने लगी है। समाज पर ऐसी बहसें किस तरह का असर करती हैं, पहले इसकी चिंता थी। अब यही चिंता संसद की कार्रवाई पर होने लगी है। इसलिए अमित शाह द्वारा अपशब्द के इस्तेमाल पर गहन-गंभीर विमर्श होने चाहिए कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी और इसका निराकरण कैसे हो सकता है।फर्ज कीजिए कि अगर विपक्ष के किसी सांसद की तरफ से ऐसा होता तो भाजपा इस मामले पर कितना बवाल खड़ा करती। राहुल गांधी ने एक बार अपनी बहन प्रियंका गांधी के गाल स्नेह से खींच दिए थे, तो ओम बिड़ला ने फौरन उन्हें टोकते हुए सदन की मर्यादा बनाए रखने की नसीहत दी थी। क्या ऐसी ही नसीहत अमित शाह को भी फौरन नहीं मिलनी चाहिए थी। संसद में पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी बहसें हों, एक-दूसरे की कमियों को भरपूर गिनाया जाए, आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाएं, लेकिन इन सबके बीच संसद की गरिमा हर हाल में कायम रहे, यह जिम्मेदारी हरेक सांसद की है। हर सांसद यह तथ्य याद रखे कि उसे देश की सबसे बड़ी पंचायत में लाखों लोगों ने अपनी आवाज उठाने की उम्मीदों के साथ भेजा है।

खाने-पीने की चीजों के दामों पर सरकार का अंकुश जरूरी

नीरज कौशल

महंगाई के मुद्दे ने दुनिया में कई चुनावों के नतीजे तय किए हैं। अमेरिका में कोविड के बाद महंगाई को काबू में न रख पाने की कीमत जो बाइडेन और डेमोक्रेट्स को व्हाइट हाउस खोकर चुकानी पड़ी थी। डोनाल्ड ट्रम्प ने कीमतें घटाने का वादा किया था, लेकिन उलटे उन्होंने टैरिफ बढ़ा दिए, जिससे महंगाई और बढ़ी। उनका कोर वोटर इससे नाखुश है। ऐसे में कई विश्लेषकों का मानना है कि मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकंस का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन महंगाई घटाने में नाकाम रहा है। सच पूछो तो राजनेता महंगाई से डरते हैं। अमेरिका में अंडे की कीमतें- और भारत में प्याज के दाम- उनकी धड़कनें बढ़ा देते हैं। बहुतों का मानना है कि 1998 में प्याज की ऊंची कीमतों ने ही अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिराने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत में सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव तो खासा बदनाम है। यहां कुछ ही महीनों- और कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों में- टमाटर या प्याज की कीमतें दस गुना तक बढ़ या घट जाती हैं। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली में पिछले नवंबर में प्याज 100 रुपए किलो बिक रहा था और हाल में वह 13 रुपए किलो पर बिका। टमाटर पिछले अक्टूबर में 65 रुपए किलो था, अब 35 रुपए किलो है। हम अकसर बढ़ी हुई कीमतों पर ही ध्यान देते हैं, जबकि हालिया रुझान दिखाता है कि कीमतों का पेंडुलम दोनों दिशाओं में बराबर झूलता है। किसी भी व्यवसाय में आउटपुट-कीमतों में ऐसी अस्थिरता कारोबारी को हैरान-परेशान कर सकती है। कीमतों में उतार-चढ़ाव कम करने के लिए सरकार क्या कर सकती है? दो सरल उपाय हैं रू वैश्विक स्रोतों से खरीद और फूड प्रोसेसिंग। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि औद्योगीकृत देशों में फल-सब्जियों की कीमतें साल भर काफी स्थिर रहती हैं। इसका कारण यह है कि वे घरेलू फसल पर निर्भर नहीं रहते। वे वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़े रहते हैं और जिस भी गोलार्ध में मौसम अनुकूल हो, वहां से आयात करते हैं। दक्षिणी और उत्तरी गोलार्ध की काउंटर-सीजनैलिटी (एक के ऑफ-सीजन के समय दूसरे का ऑन-सीजन) के कारण उन्हें साल भर आपूर्ति मिलती है। यही कारण है कि अमेरिका में लोगों को सालभर ताजे टमाटर मिलते हैं। ऑफ-सीजन में वे चिली या मैक्सिको से टमाटरों का आयात कर लेते हैं। वास्तव में शायद ही ऐसा कोई मौसमी उत्पाद है, जो अमेरिकी ग्रॉसरी स्टोर्स में ऑफ-सीजन में भी उपलब्ध न होता हो। जब कैलिफोर्निया या फ्लोरिडा की आपूर्ति कमजोर पड़ती है तो मैक्सिको, कनाडा, चिली, ग्वाटेमाला या कोस्टा रीका उसकी भरपाई कर देते हैं। दक्षिणी गोलार्ध की सस्ती मजदूरी, कम परिवहन लागत और उनका विशाल कोल्ड-स्टोरेज नेटवर्क अमेरिकी सुपरमार्केट की शेल्फों पर साल भर स्थिर कीमतें बनाए रखते हैं। लेकिन भारत में उपभोक्ताओं की रक्षा के नाम पर आयात-नियंत्रण और किसानों की रक्षा के नाम पर निर्यात-नियंत्रण ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि बड़े पैमाने पर फलों और सब्जियों के व्यापार तथा भंडारण के लिए आवश्यक वैल्यू चेन विकसित ही नहीं हो पाई। नतीजा यह है कि खाने-पीने की चीजों की कीमतें लगातार ऊपर-नीचे होती रहती हैं। फूड प्रोसेसिंग की बात करें। अधिकांश पश्चिमी देशों में प्याज और टमाटर का बड़ा हिस्सा प्रोसेस कर लिया जाता है- सूखे प्याज-टमाटर, कैन में स्टोर किए हुए स्लाइस या फिर प्याज-टमाटर की प्यूरी के रूप में। 2016 के आंकड़ों पर आधारित एक अध्ययन बताता है कि अमेरिका में 33 प्रतिशत टमाटर प्रोसेस होते हैं, चीन में 14 प्रतिशत, जबकि भारत में यह अनुपात सिर्फ 0.3 प्रतिशत ही है। एक अन्य अध्ययन का अनुमान है कि अमेरिका में फलों और सब्जियों का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा प्रोसेस होता हैय जबकि भारत में यह 5 प्रतिशत से भी कम है। इस साल भारत में प्याज और आलू की भरपूर पैदावार ने महंगाई को नकारात्मक दायरे में पहुंचा दिया है। दुनिया बढ़ती कीमतों से चिंतित है, लेकिन भारतीय उपभोक्ता नहीं। बहरहाल, यह याद रखना जरूरी है कि ये हालात तेजी से उलट सकते हैं। कीमतें जब बहुत नीचे चली जाती हैं, तो किसान अगले साल वही फसल उगाने से कतराते हैं और इसी से कीमतों में उछाल की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है। आपूर्ति और मांग के बीच यह विसंगति कीमतों में अस्थिरता को तंत्र की स्थायी विशेषता बना देती है। ऐसे में आयात कीमतों को स्थिर रखने में कारगर हो सकते हैं। भारत के लिए जरूरी है कि बाजार से नियंत्रण घटाए, विश्व-व्यापार बढ़ाए और भंडारण व प्रोसेसिंग पर गंभीरता से निवेश करे। भारत में सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव खासा बदनाम है।

मेष:- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। घर में खुशहाली रहेगी।

बृषभ:- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। बीते हुए दिनों को याद कर भाव-विभोर हो सकते हैं। ब्यग्रता महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगी।

मिथुन:- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें।

कर्क:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। भविष्य के प्रति मन में चिन्ताएं उत्पन्न होंगी। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी।

सिंह:- किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा। शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन में चिंता उत्पन्न होगी।

कन्या:- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आन्तरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

तुला:- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकता है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक:- हर घटना से आपको सीख लेने की जरुरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्वबुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशा जनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

धनु:- कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह अभाव रहेगा। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर:- किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन करें। छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा।

कुंभ:- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

मीन:- सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीतिज्ञों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लानपरवाही न बरतें। आलस्य कतई न करें।

प्राइमरी स्कूलों के खेल फिर से शुरू करो

आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौड़ना तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को करना होगा

देश 2030 में राष्ट्रमंडल खेल व 2036 में ओलंपिक आयोजित करने के लिए तैयार है और उसके लिए खिलाड़ियों की खोज भी अभी से शुरू हो जानी चाहिए। आज जब हर बच्चा स्कूल जा रहा है तो फिर स्कूल से ही प्रतिभाओं को खोज कर प्रशिक्षित करना जरूरी हो जाता है। उसके लिए हर विद्यार्थी को फिटनेस कार्यक्रम से गुजरना जरूरी है। मगर हिमाचल में प्राथमिक स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है। दशकों से चल रहे प्राथमिक स्कूलों के खेलों को ही बंद कर दिया है। क्लासरूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोड़ने का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है। शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है।

माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोड़ना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाड़ियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए।

हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है।

ऑरा मिस इंडिया 2025 की फाइनलिस्ट लखनऊ की अपूर्वा सिंह टाइम्स फैशन वीक 2025 शो में करेंगी रैंप वॉक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

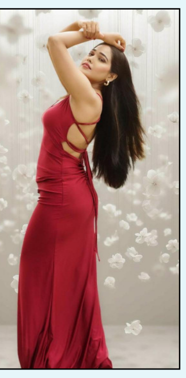

लखनऊ। एक्ट्रेस और मॉडल अपूर्वा सिंह, जो दिल्ली में ऑरा मिस इंडिया 2025 की फाइनलिस्ट, ऑरा मिस टैलेंटेड और उत्तर प्रदेश की दूसरी रनर-अप रह चुकी हैं, 14 तारीख को टाइम्स फैशन वीक 2025 (लखनऊ एडिशन) में शो ओपनर के तौर पर रैंप वॉक करेंगी। वह इस मशहूर फैशन वीक में फैशन डिजाइनर शैली दत्ता का कलेक्शन पेश करेंगी।इंटरनेशनल फैशन डायरेक्टर कपिल गोहरी इवेंट को डायरेक्ट करेंगे, जबकि अर्पित बैकस्टेज मैनेजमेंट संभालेंगे। किसी भी मॉडल के लिए शो ओपन करना एक बड़ी कामयाबी मानी जाती है, और अपूर्वा का सिलेक्शन उनके बढ़ते असर, प्रोफेशनलिज्म और स्टेज पर उनकी मजबूत मौजूदगी को दिखाता है। अपूर्वा सिंह ने मॉडलिंग और एक्टिंग में अपनी लगातार परफॉर्मेंस से लखनऊ के फैशन सीन में एक अलग पहचान बनाई है। टाइम्स फैशन वीक 2025 में उनके हिस्सा लेने से शहर की क्रिएटिव और फैशन कम्युनिटी में काफी उत्साह है।

पत्रकार राममूर्ति यादव व शिवकुमार वर्मा से मिलकर हालचाल लिया, मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। विगत दिनों हिन्दुस्तान अखबार के पत्रकार राममूर्ति यादव के कार्यालय के बाहर राड से हमला कर हमलावरों ने दोनों पैर को तोड दिया तीन हमलावर तो गिरफ्तार हो गए हैं,लेकिन मुख्य षडयंत्रकारी अभी फरार चल रहा है। आज हिन्दुस्तान समाचारपत्र के संवाददाता राममूर्ति यादव से उनके घर मुलाकात कर हालचाल लिया। समाजवादी पार्टी पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ उ.प्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी/प्रत्याशी चौ.लौटनराम निषाद के साथ समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विजयबहादुर वर्मा,समाजवादी पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ उ.प्र के प्रदेश सचिव जगन्नाथ, लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव रीतेश यादव, मसौढ़ा ब्लाक अध्यक्ष सूरज निषाद, डा.रामप्रताप यादव, राममूर्ति यादव पूर्व प्रधान, शंकर यादव, रामानंद यादव फौजी, रामसमुझ यादव, राजकुमार निषाद आदि शामिल रहे चौ.लौटनराम निषाद ने अयोध्या पुलिस प्रशासन से पत्रकार राममूर्ति यादव पर डेढ़ लाख देकर हमला कराने वाले षडयंत्रकारी की गिरफ्तारी करने व उसके अधिष्ठान प्रतिष्ठान व घर पर बुलडोजर चलाने की मांग किया है।गोशाईंगंज विधानसभा क्षेत्र के सोनेरा गाऊपुर (सुखदेव तिवारी का पुरवा) थाना-तारून के बूथ प्रभारी शिवकुमार वर्मा पुत्र भगवानदीन वर्मा से मंडलीय चिकित्सालय में मुलाकात कर हालचाल व घटना की जानकारी लिया। विगत 8 दिसम्बर को गांव के सामंती वर्चस्ववादी एकरंगी ब्राह्मण ने साथियों के साथ लोहे के राड से बुरी तरह हमला कराकर दोनों पैर व दोनों पैर तोड़ा दिया और सिर पर गम्भीर चोट पहुंचा दिया। हमलावर अभी तक छुट्टा घूम रहे हैं,पुलिस इनके भाजपाई होने के कारण गिरफ्तार नहीं की है।निषाद ने कहा कि जीरो टॉलरेंस व कानून व्यवस्था का दम्भ भरने वाले योगी आदित्यनाथ की रामराजी सरकार में भाजपा के गुण्डे,अपराधी,माफिया खुलेआम बेखौफ होकर पीडीए के उपर अत्याचार कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में भय व भ्रष्टाचार का सामंतवादी साम्राज्य कायम हो गया है।योगीराज में उत्तर प्रदेश में जंगलराज गुण्डाराज व माफियाराज स्थापित हो गया है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त, अपराधी मस्त व पुलिस पस्त है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से निवेदन कर पार्टी की तरफ से यथासम्भव सहयोग दिलाने का भरोसा दिलाया। मंडलीय चिकित्सालय दर्शनगर में शिवकुमार पटेल से विजयबहादुर वर्मा,जगन्नाथ पाल, अवधेश वर्मा, राजकुमार निषाद, संदीप यादव सत्री,छोटू पाल आदि के साथ मिलकर अपनी तरफ से छोटी सी मदद देते राष्ट्रीय अध्यक्ष मदद कराने का वादा किया।पीड़ित का दोष सिर्फ इतना था कि उसने सामंतवादियों के कहने पर अपने घर पर लगे समाजवादी पार्टी का झण्डा नहीं उतारा।

पार्षद गीता देवी गुप्ता ने निर्माणाधीन सड़कों का किया निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजिनीनगर। पार्षद गीता देवी गुप्ता ने दरोगा खेड़ा, कृष्ण विहार कॉलोनी, सेक्टर-डी तथा पंडित खेड़ा क्षेत्र में जारी सड़क निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। अपने भ्रमण के दौरान उन्होंने प्रत्येक स्थल पर निर्माण की गुणवत्ता, गति और उपयोग की जा रही सामग्री का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ, सुझाव और अपेक्षाएँ भी सुनीं। निरीक्षण के दौरान लोगों ने पार्षद को बताया कि लंबे समय से सड़कों के खराब होने से आवागमन में कठिनाई हो रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण कार्य कराए जाने से क्षेत्र के निवासियों को राहत मिली है। पार्षद जी ने जनता की बात ध्यानपूर्वक सुनी और आवश्यक निर्देश मौके पर ही अधिकारियों को प्रदान किए। अपने उद्बोधन में पार्षद गीता देवी गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सड़कें किसी भी क्षेत्र की आधारभूत ज़रूरत होती हैं, इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। पार्षद जी ने यह भी कहा कि सभी विकास कार्य समय-सीमा में, पारदर्शिता और मानकों के अनुरूप पूरे कराए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में जल निकासी, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को भी चरणबद्ध रूप से बेहतर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से निरीक्षण कर जनता को बेहतर सुविधाएँ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्षेत्रवासियों ने पार्षद गीता देवी गुप्ता के सक्रिय प्रयासों और सतत् जनसंपर्क की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों की गति तेज हुई है और जनता को भरोसा है कि आने वाले समय में सभी लंबित समस्याओं का समाधान भी शीघ्र होगा।

टोटो में तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

● बेटा बेटी समेत 7 घायल, 2 की हालत गंभीर एक वाराणसी रेफर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के बिनानी राजश्री सिनेमा रोड पर बीती रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े टोटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टोटो कई फीट दूर उछलकर पलट गया और उसमें बैठे सभी लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब देहात कोतवाली क्षेत्र के पिपराडाड़ और दुबानी गांव के 7 लोग बिनानी महाविद्यालय के पास लगे प्रदर्शनी मेले को देखकर घर लौट रहे थे। सभी लोग टोटो में बैठ ही रहे थे कि तभी अचानक आई तेज रफ्तार कार ने टोटो के अगले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही 17 वर्षीय रंजना लगभग 10 फीट दूर जा गिरी, जबकि 26 वर्षीय साधना को भी गंभीर चोटें आईं। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर देखभाल हेतु वाराणसी रेफर किया गया है। जबकि हादसे में घायल निर्मला देवी, राधिका, रोहित, शकुंतला एवं शिमला को मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहाँ उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही भरुहना चौकी प्रभारी परमहंस पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा। कार चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर दिया है और चालक की पहचान में जुट गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के तुरंत बाद टोटो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया । आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। यह सड़क शाम से रात तक काफी भीड़भाड़ वाली रहती है, ऐसे में तेज रफ्तार कार का गुजरना बड़ा हादसा साबित हुआ। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना से जुड़े सभी तथ्य इकट्ठा कर लिए हैं। वाहन चालक के विरुद्ध लापरवाही से वाहन चलाने, चोट पहुंचाने, एवं हानि पहुँचाने की धाराओं में कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

राष्ट्रीय स्कूल गेम्स के पहले दिन असम की बेटी कस्तूरी गोगोई का शानदार प्रदर्शन, स्वर्ण पदक अर्जित।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

नई दिल्ली। श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय स्कूल गेम्स के पहले ही दिन असम ने स्वर्ण पदक हासिल किया। यह गौरव कस्तूरी गोगोई ने अर्जित किया है। अंडर-14 छात्रा वर्ग के 50 मीटर ब्रैस्टस्ट्रोक इवेंट में कस्तूरी ने 36.70 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।उल्लेखनीय है कि कस्तूरी ने कोच बाबुल गुरुंग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस सफलता पर असम स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव भास्कर दास और प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि प्रतियोगिता में आगे भी कस्तूरी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर असमवासियों को और पदक उपहार में देगी। 12 दिसंबर से शुरू हुई यह प्रतियोगिता 17 दिसंबर को समाप्त होगी।

इंटरनेशनल स्कूल क्रिकेट लीग का आगाज आज से

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस द्वारा आयोजित सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय स्कूल क्रिकेट लीग (आईएससीएल-2025) का उद्घाटन समारोह शनिवार को 4 बजे सीएमएस कानपुर रोड स्टेडियम में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि क्रिकेटर व बीसीसीआई चयन समिति के सदस्य आरपी सिंह होंगे। जबकि खेल जगत से जुड़ी विभिन्न प्रख्यात हस्तियां समारोह की गरिमा को बढ़ायेंगे। यह जानकारी स्कूल के हेड कम्युनिकेशन ऋषि खन्ना ने दी। उन्होंने बताया कि समारोह के बाद आईएससीएल-2025 का पहला मैच सायं 6.00 बजे से खेला जायेगा। फ्लड लाइट में खेले जाने वाले दिन-रात्रि के इस मैच में मेजबान सीएमएस स्टालियन एवं ओवरबर्ग इगल्स (दक्षिण अफ्रीका) की टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। आईएससीएल 13 से 19 दिसम्बर चलेगा।

डॉ.अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सामाजिक समरसता वंचित शोषितों के अधिकारों और राष्ट्रीय एकता को समर्पित संस्था डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच का स्थापना दिवस केंद्रीय कार्यालय, प्रथम तल, फ्लैट नंबर 2, चंचल कॉम्प्लेक्स, बर्लिंगटन, लखनऊ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस गरिमामय आयोजन में मंच के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और राष्ट्र निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के योगदान को याद किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय संरक्षक, माननीय राम बहादुर (आई.ए.एस.) की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष, भवन नाथ पासवान ने की। इस अवसर पर मंच के अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदेश अध्यक्ष आशा राम सरोज ने किया कार्यक्रम ने में इंजी. एस.पी. सिंह ने संगठन के पदाधिकारी-कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने और सदस्यता अभियान गांव गांव में चलाने की अपील किया एवं राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर ज़ोर कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय संरक्षक माननीय राम बहादुर पूर्व (आई.ए.एस.) ने अपने संबोधन में डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्रीय एकता मंच, उनके दिखाए रास्ते पर चलकर समाज के हर वर्ग को एक साथ लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मंच के प्रयासों की सराहना की और सभी से राष्ट्रीय एकता के लिए कार्य करते रहने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष भवन नाथ पासवान ने मंच की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फ्रडॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच का उद्देश्य केवल जयंती मनाना नहीं, बल्कि बाबासाहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाकर एक समतामूलक समाज की स्थापना करना है। उन्होने स्थापना दिवस के इस मौके पर मंच की भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कई जागरूकता कार्यक्रम और पहल शुरू की जाएंगी। कार्यक्रम में प्रमुख कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश प्रभारी राम सिंह प्रदेश महासचिव हनीफ खान डॉ. जय प्रकाश प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र हांडा प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी. राम सजीवन राम प्रहलाद मौर्य, संत दीन, पीतांबर प्रसाद विधानसभा अध्यक्ष मोहनलालगंज, रामपाल प्रधान आदि समेत कई समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थापना दिवस का यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

मंडल के जनपदों के साइबर सेल के कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश'

➲ आईटी एक्ट की लम्बित विवेचनाओं का करे त्वरित गति से निस्तारण

➲ एनसीआरपी पोर्टल पर लम्बिंत शिकायतों एवं गोल्डेन टाइम में फाड धनराशि को लिएन कराये जाने एवं संदिग्ध मोबाइल नम्बर व आईएमईआई नम्बर को प्राथमिक सत्यापन के पश्चात ब्लाक कराने के सम्बन्ध में दिये गए आवश्यक निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर ''आर.पी. सिंह'' द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय मीरजापुर में परिक्षेत्र के जनपदों के साइबर सेल प्रभारियों एवं साइबर सम्बन्धी कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ परिक्षेत्रीय कार्यालय में साइबर के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि आईटी एक्ट की लंबित विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, तथा आईटी एक्ट की लम्बित विवेचनाओं को नोडल अधिकारी (अपर पुलिस अधीक्षक) 07 दिवस के अन्दर अर्दली रुम करके विवेचनाओं का निस्तारण कराये। जिन थानों के मुकदमों का निस्तारित हो गया है परन्तु आनलाईन अपडेट न होने के कारण पेंडिग शो कर रही है, उनको तत्काल अपडेट कराये, साथ ही पुलिस महानिदेशक उ.प्र. द्वारा साइबर अपराध से सम्बन्धित दिये गये आदेश निर्देश के बारे में भली-भाँति बताया गया। म्यूल खातों का सत्यापन कराया जाए तथा सदिंग्ध मोबाइल न. व आईएमईआई को प्राथमिक सत्यापन के बाद बन्द कराये एवं एनसीआरपी पोर्टल पर लम्बित शिकायतों एवं गोल्डेन टाइम में फाड धनराशि को लिएन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया । यह भी निर्देशित किया गया कि साइबर अपराध से बचाव के सम्बन्ध में ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरुकता का कार्यक्रम कराया जाए।

सुखनई गांव में चोरी, फरार आरोपी गांव उजाड़ने की दे रहे धमकी, ग्रामीणों ने 11 चोरों को पकड़ा, 6 आरोपी फरार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के ग्राम मौजा सुखनई निवासी ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक जिला प्रशासन को सौंपा, जिसमें 10 दिसंबर की रात चोरों को पकड़ने की बात कही गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि फरार हुए पशु तस्कर अब तहरीर वापस न लेने और समझौता न करने पर गांव उजाड़ने की धमकी दे रहे हैं। बताया कि ग्रामीणों की सतर्कता से चोरी की घटना तो टल गई, लेकिन मामले ने पुलिस की कार्यवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चोरों का गिरोह बकरी व भेड़ चोरी करने के उद्देश्य से गांव में सेध लगाकर घरों में घुस गया। शोर सुनकर जागे ग्रामीणों ने एकजुट होकर चोरों का पीछा किया और कुल 17 चोरों में से 11 को मौके पर ही पकड़ लिया। ग्रामीणों ने तत्काल 112 पर कॉल कर पुलिस सहायता की मांग की, लेकिन आरोप है कि समय पर पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। सुबह होने पर पुलिस पहुंची। ग्रामीणों का आरोप है कि चोरी में शामिल 6 मुख्य आरोपी, जो बुलोरो पिकअप से आए थे, पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहे । गांव के लोगों ने बताया कि फरार आरोपी अब लगातार गांव में आकर धमकियाँ दे रहे हैं। उनका कहना है या तो प्रार्थना-पत्र वापस लो और सुलह कर लो,नहीं तो दोबारा चोरी करेंगे और पूरे गांव को उजाड़ देंगे। मिल रही धमकियों से गांव में भय का वातावरण बना हुआ है। घटना के बाद पीड़ित प्रेमजी, जमुना प्रसाद पाल, हुबलाल, रामदेव, बृजलाल, लालमनी पाल, हरिशंकर पाल और मुन्नीलाल ने संयुक्त रूप से प्रार्थना-पत्र देकर शेष 6 फरार चोरों की तत्काल गिरफ्तारी और गांव को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह गिरोह क्षेत्र में पशु चोरी की कई घटनाओं को पहले भी अंजाम दे चुका है । इस पर कठोर कार्रवाई न हुई तो भविष्य में गंभीर घटनाएँ हो सकती हैं ।

दस वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण होने का बाद भी लटका है शिक्षकों का चयन वेतनमान

❑ बीएसए से लेकर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री तक से लगा चुके हैं गुहार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । परिषदीय शिक्षकों का 10 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण होने पर चयन वेतनमान लगने का प्रावधान है। हजारों शिक्षक 10 वर्ष की संतोषजनक सेवा अवधि तीन महीने पहले ही पूरी हो जाने के बाद भी चयन वेतनमान लगने का इंतजार कर रहे हैं। शिक्षकों ने बताया कि अधिकारियों द्वारा शुरुआती कार्य के बाद पोर्टल मेंटेनेंस तथा टेक्निकल समस्या बताकर तीन महीने बीत जाने के बाद भी चयन वेतनमान अभी तक नहीं लगाया गया जबकि हजारों की संख्या में शिक्षक चयन वेतनमान लगने की बाट जोह रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और तकनीकी समस्या के नाम पर चयन वेतनमान को टालना शिक्षकों पर भारी पड़ रहा है। शिक्षकों की चिंता है ज्यादा समय तक वेतनमान न मिलने से उनका एरियर बढ़ेगा जिसे निकलवाने के लिए उन्हें कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे। शिक्षकों ने विभागीय उदासीनता का आरोप लगाते हुए बताया कि उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से लेकर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं, इसके बावजूद न तो कोई सुनने को तैयार है न ही कोई तेजी दिखाई दे रही है। इससे शिक्षक हताश व नाराज है। चयन वेतनमान में लापरवाही बरतने वाले 25 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक पिछले माह हो चुकी है, इसके बावजूद कुछ अधिकारी, उच्च अधिकारियों के आदेश को नजरअंदाज करते नजर आ रहे हैं। प्रदेश में लगभग 50 हजार शिक्षकों का चयन वेतनमान लंबित बताया जा रहा है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ लखनऊ जिले के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में 29000 विज्ञान गणित व 72825 शिक्षकों की भर्ती के 10 वर्ष सितंबर में पूरे हो चुके हैं फिर भी ये शिक्षक चयन वेतनमान से वंचित है। उन्होंने बताया कि मानव संपदा पोर्टल के चयन वेतनमान सेक्शन में तकनीकी खराबी बताकर चयन वेतनमान रोक दिए गए हैं, जिससे शिक्षकों के आर्थिक वृद्धि का नुकसान हो रहा है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने बताया कि शिक्षकों पर विभागीय काम कराने के लिए सारे नियम कानून थोप दिए जाते हैं लेकिन जब शिक्षकों के अधिकार की बात होती है तो बहाना बताकर टाल दिया जाता है। उन्होंने तत्काल चयन वेतनमान लगाने की मांग करते हुए कहा है कि यदि इसमें तकनीकी समस्या आ रही है तो इसी महीने सभी शिक्षकों का ऑफलाइन चयन वेतनमान लगाया जाए।

यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाए जान हेतु मंडलायुक्त ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंडलायुक्त विंध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश ने आज आयुक्त कार्यालय में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा सहित अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण, अधिशासी अभियंता नेशनल हाइवे तथा यातायात पुलिस प्रभारी अधिकारियो के साथ बैठक यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में बथुआ तिराहा, शीतला मन्दिर, शास्त्री पुल, इमामबाड़ा मार्ग पर यातायात व्यवस्था पर चर्चा करते हुए निर्देशित किया गया कि लोक निर्माण विभाग, यातायात प्रभारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर, सहायक अभियंता एन.एच. आपस में समन्वय स्थापित करते हुए मौके पर उपरोक्त मार्गो पर संयुक्त निरीक्षण करे। उन्होंने निर्देशित किया कि शास्त्री ब्रिज के चील्ह तिराहे की तरफ मुख्य मार्ग के दोनो तरफ फुटपाथ को सड़क के बराबर बनाया जाए ताकि मार्ग चैड़ा होकर गाड़िया आसानी से आ जा सकें। शास्त्री ब्रिज पर जाम से निजात दिलाने हेतु सुचारू रूप से ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बथुआ तिराहा/शीतला मन्दिर पर मण्डलायुक्त ने कहा कि उपरोक्त अधिकारी मौके पर भ्रमण कर लोंहदी की तरफ व मण्डलायुक्त कार्यालय आगे रेलवे गेट के आस पास का निरीक्षण करते हुए यूटर्न मार्ग बनाया जाए ताकि चैराहे पर जाम की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। इस दिशा में मौके का निरीक्षण करते हुए आगामी बुधवार तक प्रस्ताव प्रस्तुत करे ताकि उस पर अमल में लाया जा सके। इमामबाड़ा मार्ग होते हुए शास्त्री ब्रिज की तरफ जाने वाले मार्ग का भी परीक्षण करते हुए एकल मार्ग व्यवस्था सम्भावित हो तो सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने कहा कि प्रमुख चैराहो पर जाम से निजात दिलाने के लिए उपरोक्त सम्बन्धित विभाग मौके पर परीक्षण कर आगामी बुधवार तक प्रस्ताव लेकर आए ताकि उसे अमल में लाया जा सके। मण्डलायुक्त ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जल निगम के द्वारा जिन मार्गो पर कार्य पूर्ण करा लिया गया है उन मार्गो पर सड़क मरम्मत का कार्य प्रारम्भ करना सुनिश्चित करें। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण, सहायक अभियंता एन.एच., अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर गोवा लाल उपस्थित रहें।

काशी तमिल संगमम् -04 संस्कृतियों के आदान-प्रदान का यह अत्यन्त सुन्दर माध्यम है। कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा।

● डॉ. श्रुति उपाध्याय के सुरों पर श्रोता हुए मंत्रमुग्ध।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। शिक्षा-मन्त्रालय भारत सरकार, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज और दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा काशी के नमो घाट पर चल रहे काशी तमिल संगमम्-04 में आज सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की संगीत विभाग की अध्यापिका डॉ. श्रुति सारस्वत उपाध्याय की सांगीतिक प्रस्तुति हुई। उन्होंने मां गंगा की स्तुति हे ग़गा मईया बसब एही नगरी और भजन तीर्थों में विख्यात काशी विश्वनाथ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि काशी को विद्या के साथ संगीत का भी शहर कहा जाता है। यहां ऐसे कई उपासक हुए, जिन्होंने संगीत के साथ महादेव की उपासना की। भक्ति का यह मार्ग नादोपासना है। महादेव की इस आराधना में सिर्फ काशी के ही नहीं, बल्कि दक्षिण भारत के भी विद्वान शामिल हैं. उन्होंने काशी में हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत को एक साथ लाने का काम किया है। काशी तमिल संगमम् के माध्यम से उत्तर से दक्षिण का संगम है, संगीत में भी दोनों क्षेत्रों का मिलन है, परस्पर इस साधना का प्रभाव दोनों जगह की संस्कृतियों पर पड़ेगा। संस्कृतियों के आदान प्रदान यह अत्यन्त सुन्दर माध्यम है।भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में नाद को ब्रह्म स्वरूप माना गया है. 'नादमयम् जगत', यानी यह संसार ही ध्वनि का विस्तार है। बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ की गलियों, यहां के मन्दिरों और घाटों पर गूंजते शंख, घंटियां और वेदों का पाठ नादोपासना की अभिव्यक्ति है।संगीत साहित्य शास्त्र की विधा है।जीवन का वास्तविक दर्शन संगीत साधना है। विश्वविद्यालय में संगीत विभाग की अध्यापिका डॉ श्रुति उपाध्याय ने एवं यहां कर्मचारी डॉ आलोक मिश्र के द्वारा अतिसुंदर प्रस्तुति के हार्दिक बधाई। श्रुति उपाध्याय ने बताया कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में आयोजित काशी तमिल संगमम् में आज सांगीतिक प्रस्तुति करके अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है और काशी में इस तरह अवसर मिलना निश्चित रूप से सौभाग्य की बात है। काशी साधना का केन्द्र है। तबले पर डॉ. सन्तोष सिंह और हारमोनियम पर श्री आलोक मिश्रा ने साथ दिया। श्रुति उपाध्याय की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में हर्ष व्याप्त है और विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दी गई हैं। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

बुजुर्ग ने की सदर अस्पताल के लिए अधीग्रहित जमीन पर कब्जा करने की शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए आमजनों की शिकायत सुनी। जनता दरबार में कस्तूरबा नगर के एक बुजुर्ग ने सदर अस्पताल के लिए अधीग्रहित जमीन पर कब्जा करने की शिकायत की।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त जमीन पर अविभाजित बिहार के समय से जेल प्रशासन का कब्जा था। इसके बाद सदर अस्पताल के लिए उपरोक्त जमीन का अधिग्रहण किया गया। तत्पश्चात जब झारखंड राय की स्थापना हुई तो उपरोक्त जमीन पर किसी अन्य व्यक्ति ने कब्जा कर लिया। मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने उपरोक्त मामले की तुरंत जांच करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में धनसार के एक दिव्यांग गुमटी संचालक ने उपायुक्त को बताया कि कुछ भू-माफियाओं द्वारा उनके साथ मारपीट कर, धमकी देकर, उनकी गुमटी को तोड़ने का प्रयास विगत कई दिनों से किया जा रहा है। जबकि पूरे परिवार के जीविकापार्जन के लिए यही एकमात्र दुकान है। उन्होंने बताया कि उनकी गुमटी सरकारी भूमि पर है। भू-माफिया उन्हें हटाकर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कर रहे हैं। वहीं मनईटांड छठ तालाब से आए एक व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने जमीन रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन शुल्क जमा किया था। किंतु किसी कारणवश जमीन मालिक के मना करने पर जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई। उन्होंने रजिस्ट्रेशन फीस के रिफंड की गुहार लगाई। जनता दरबार में रेल परियोजना के तहत अधिग्रहण की गई जमीन का मुआवजा नहीं मिलने, सरकार द्वारा दिए गए बीज ग्रामीणों को नहीं देकर बाजार में बेचने, एनएच 2 में अधिग्रहीत जमीन का मुआवजा नहीं मिलने, भुदा के महावीर नगर में भूमाफियाओं की मिली भगत से तालाब की खरीद बिक्री करवाने सहित अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने आम जनों की समस्या का समाधान करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दरबार में प्रभारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद भी मौजूद थे।

विदेश मंत्रालय के ई-सनद पोर्टल पर प्रोसेस हुए 10 लाख डॉक्यूमेंट्स

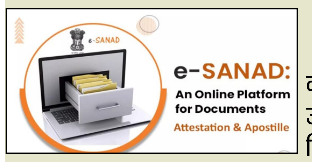

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने साल 2017 में ई-सनद पोर्टल लॉन्च किया था, जिसका उद्देश्य कॉन्टैक्टलेस, फेसलेस, आसान, किफायती और कुशल ऑनलाइन अटेस्टेशन और एपोस्टिल सर्विस देना है। पोर्टल को लेकर अभी तक अछी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है और 30 नंवबर 2025 तक पोर्टल पर कुल 10,17,420 डॉक्यूमेंट्स प्रोसेस किए गए हैं। विदेश मंत्रालय ने रायसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय से इस पोर्टल से जुड़े डॉक्यूमेंट के रियल-टाइम वेरिफिकेशन के संबंध में जानकारी मांगी गई थी, जिस पर विदेश रायमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने अपने लिखित जवाब में बताया कि मिनिस्ट्री ई-सनद पोर्टल पर डॉक्यूमेंट्स के डिजिटल वेरिफिकेशन के लिए और अधिक डॉक्यूमेंट जारी करने वाली अथॉरिटी (डीआईए) और राय/यूटी सरकारों को जोड़ने को बढ़ावा दे रही है। हाल ही में विदेश मंत्रालय ब्रांच सेक्रेटेरिएट, चेन्नई को भी ई-सनद पोर्टल के जरिए सीधे एप्लीकेंट्स को सर्विस देने के लिए ऑथराइज किया गया है। रायमंत्री ने कहा राय सरकार और डीआईए से मिले वेरिफाइड डॉक्यूमेंट्स को विदेश मंत्रालय में अटेस्टेशन/एपोस्टिल के लिए प्रोसेस करने में लगभग 2-3 कार्य दिवस लगते हैं, जिसके बाद डॉक्यूमेंट्स एप्लीकेंट के इंडियन पोस्टल एड्रेस पर भेज दिए जाते हैं। ई-सनद को डिजिलॉकर से भी जोड़ा गया है, जिसमें डिजिलॉकर डेटाबेस से लिए जा सकने वाले डॉक्यूमेंट्स का रियल टाइम में वेरिफिकेशन किया जाता है। ऐसे डॉक्यूमेंट्स सीधे मंत्रालय को मिलते हैं और सर्विस जल्दी देने के लिए उन्हें जल्दी प्रोसेस किया जाता है। रायमंत्री ने बताया कि अटेस्टेशन और एपोस्टिल दोनों सर्विस के डेटा के मामले में दिल्ली, गोवा, चंडीगढ़ और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से बहुत अछी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। बता दें कि ई-सनद पोर्टल विदेश मंत्रालय द्वारा संचालित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है और दस्तावेजों के ऑनलाइन सत्यापन (एपोस्टिल) के लिए इस्तेमाल होता है, ताकि भारतीय और अंतरराष्ट्रीय आवेदकों को कागज रहित सेवा मिले।

विदेश में फंसे भारतीयों के लिए रामबाण बना 'मदद' पोर्टल

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत सरकार के पास विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों की शिकायतों को तुरंत दूर करने के लिए एक मजबूत और मल्टी-चैनल सिस्टम है। सरकार ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन, वॉक-इन, ईमेल, सोशल मीडिया, चौबीसों घंटे मल्टीलिंगुअल हेल्पलाइन, ओपन हाउस और 'मदद', 'सीपीजीआरएएमएस' और 'ई-माइग्रेट' जैसे खास ऑनलाइन पोर्टल बना रखे हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की मदद के लिए ये ऑनलाइन पोर्टल किसी रामबाण से कम नहीं हैं, क्योंकि पिछले करीब दो वर्षों के अंतराल में मदद पोर्टल पर कुल 11,195 जबकि सीपीजीआरएएमएस पर 4,932 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। पोर्टल के माध्यम से विदेश मंत्रालय को संबंधित व्यक्ति से जुड़ी पूरी समस्या पता चल जाता है, जिससे उस तक वक्त रहते सहायता पहुंचाना काफी सरल एवं सुगम हो जाता है। विदेश मंत्रालय ने रायसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। विदेश राय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 01, जनवरी 2024 से 30, नवंबर 2025 के बीच इन पोर्टल के माध्यम से मिली शिकायतों का ब्यौरा दिया। उन्होंने उन शीर्ष-दस देशों की सूची भी जारी की, जहां से पोर्टल पर सबसे अधिक शिकायतें मिली हैं। रायमंत्री के अनुसार सऊदी अरब से सबसे अधिक 3049 जबकि यूएई से 1587 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके बाद मलेशिया, अमेरिका और ओमान से क्रमशः 662, 620 और 613 शिकायतें मिली हैं। रायमंत्री ने कहा ये पोर्टल पीड़ित लोगों को दुनिया में कहीं से भी अपनी शिकायतों को रजिस्टर करने, ट्रैक करने और समय पर, ट्रांसपेरेंट और जवाबदेह समाधान पाने में मदद करते हैं। शिकायत करने वाले या उनके रिश्तेदारों से सीधे बातचीत, संबंधित एजेंसियों के साथ मीडिएशन, मेजबान देश के विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय के जरिए रेगुलर फॉलो-अप और जहां जरूरत हो, पैनल में शामिल वकीलों के जरिए कानूनी मदद देकर मामलों को तेजी से सुलझाया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि बहुत ही कम ऐसे केस होते हैं, जो कि फाइनल सॉल्यूशन के लिए पेंडिंग रहते हैं और इनमें भी देरी हमेशा सरकार के कंट्रोल से बाहर के बाहरी कारणों से होती है, जैसे कि शिकायत करने वालों की अधूरी जानकारी, विदेशी स्पॉन्सर/एम्प्लॉयर का असहयोगी रवैया, चल रहे कोर्ट केस में इंडियन मिशन की सीमित भूमिका या ये लोकल अधिकारियों द्वारा जांच के तहत मामले होते हैं।

अखिल भारतीय ब्रह्म समाज द्वारा बसंत पंचमी से विद्यारंभ संस्कार का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अखिल भारतीय ब्रह्म समाज ने बसन्त पंचमी 23 जनवरी 2026 को लखनऊ में विद्वान आचार्यों द्वारा बच्चों का विद्यारंभ संस्कार करने का निर्णय लिया है! संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय त्रिपाठी ने बताया कि विद्यारंभ संस्कार में बच्चों को सरस्वती पूजन के पश्चात पाटी(स्लेट) पर आचार्यों द्वारा लिखवाकर विद्यारंभ संस्कार कराया जाएगा! बच्चों को निशुल्क पाटी (स्लेट),

चाक तथा पुस्तक प्रदान की जाएंगी। इस हेतु जिस अभिभावक को अपने बच्चे का विद्यारंभ संस्कार कराना है, संगठन के प्रदेश महासचिव कौशिक बनर्जी को उनके मोबाइल नंबर 9450650144 पर निशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सी पी अवस्थी बताया कि राष्ट्रीय महामंत्री देवेन्द्र शुक्ल जी के मार्गदर्शन में संगठन की टोलियां घर घर जाकर सम्पर्क करके आयोजन में अधिक से अधिक बच्चों को विद्यारंभ संस्कार में सम्मिलित करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य सुधांशु शुक्ल, कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष कोमल द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे पी बाजपेई, दया शंकर पाण्डेय, प्रदेश कोषाध्यक्ष गोविन्द प्रसाद मिश्र, चंद्र प्रकाश मिश्र, शेषमणि दुबे, अवधेश त्रिवेदी, धारा नाथ मिश्र, करूणा सारस्वत, अंजली बाजपेई, डॉ स्मिता मिश्रा, प्रभा मिश्रा, अंजनी कुमार दीक्षित, विकास मिश्र, नवनीत ओझा, धर्मेंद्र अवस्थी, शैलेन्द्र शुक्ल,आदि उपस्थित रहे।

एस.जी.पी.जी.आई.एम.एस. में अब बिना सर्जरी ब्रेन ट्यूमर का इलाज करने की तैयारी, जल्द शुरू होगी डिजिटल पैथोलॉजी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान अब एडवांस ट्रीटमेंट की तैयारी में है। एडवांस ट्रीटमेंट में ट्यूमर का इलाज अब बिना सर्जरी के होगा। इसके साथ ही संस्थान में डिजिटल पैथालॉजी की शुरूआत भी होगी। वहीं संस्थान के सभी विभागों का संचालन एआई आधारित करने पर विचार चल रहा है। यह जानकारी एसजीपीजीआई के निदेशक प्रो.आरके.धीमन ने शुक्रवार को छठे शोध दिवस पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी है। निदेशक प्रो.आरके.धीमन ने बताया कि ट्यूमर का इलाज विशेषकर ब्रेन ट्यूमर का इलाज आने वाले समय में गामा नाइफ तकनीक के जरिये करने की तैयारी की जा रही है। इस तकनीक से मरीज के ट्यूमर का इलाज सर्जरी से नहीं होगा बल्कि रेडियोथेरेपी के जरिये ट्यूमर को खत्म किया जा सकेगा। प्रो. धीमन ने बताया कि आने वाले समय में पीजीआई के सभी विभागों का काम एआई आधारित करने की बात भी बताई है। संपूर्ण पूरे उत्तर प्रदेश के लिए काम करना हमारा विजन निदेषक प्रो.आरके. धीमन ने बताया कि एसजीपीजीआई में प्रदेश से ही नहीं बल्कि बाहर से भी मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं। इसका प्रमुखा कारण है यहां का गुणापूर्ण इलाज। उन्होंने बताया कि हमारी जिम्मेदारी एसजीपीजीआई के साथ संपूर्ण उत्तर प्रदेश में स्थित करीब 44 मेडिकल कॉलेजों में भी टेलीमेडिसिन के जरिये बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। जिसके तहत हमने काम करना षुरू कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि आने वाले समय में संस्थान को और अधिक एडवांस करने के उद्देष्य से यहां पर डिजिटल पैथालॉजी स्कैनर की शुरूआत करने की तैयारी है। इस तकनीकि से जांच के डेटा को दूनिया के किसी भी हिस्से में साझा करने में आसानी होगी। यह ऐसी तकनीक है जिससे स्लाइड से ही पूरी जानकारी स्कैन होकर कंप्यूटर पर आ जायेगी। इस दौरान डीन प्रो.शालीन कुमार, डॉ. विनीता अग्रवाल मौजूद रहीं। क्या है गामा नाइफ गमा नाइफ की जानकारी देते हुए बताया डॉ. विनीता अग्रवाल ने बताया कि गामा नाइफ एक अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी तकनीक है, जिसके जरिये मस्तिष्क, सिर और गर्दन में ट्यूमर व अन्य समस्याओं का इलाज किया जाता है, इस तकनीक में कोई चीरा नहीं लगाया जाता, बल्कि गामा किरणों को अत्यधिक सटीकता से एक छोटे से लक्षित क्षेत्र पर केंद्रित किया जाता है, इससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों को नुकसान नहीं पहुंचता, साथ ही असामान्य कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है, जिससे उनकी वृद्धि रोकी जा सके।

पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा के निर्देश पर क्षेत्राधिकार विवेक जावला के मार्गदर्शन पर फूट पेट्रोलिंग गस्त

- थाना विंध्याचल पुलिस द्वारा सुप्रसिद्ध चौराहा अटल चौक क्षेत्र में फूट पेट्रोलिंग गस्त
- डंपर वाहनों के अभियान को लेकर भारी वाहन नंबर छुपाकर चलने वाले वाहनों का भी चलान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर विंध्याचल। भारी वाहन डंपर अभियान को देखते हुए थाना विंध्याचल प्रभारी वेद प्रकाश पांडे भारी भरकम फोर्स के साथ अटल चौक पर पहुंचकर चेकिंग अभियान चलाया जिसमें कई वाहनों का चालान संदिग्ध वाहनों की जांच पड़ताल एवं स्थानीय आम जनमानस से जन संवाद करते हुए सुरक्षा का एहसास दिलाया वहीं थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे ने जब प्रयागराज की तरफ से आ रही डंपर वाहन को रुकने का इशारा किया चेकिंग की गई तो वाहन चालक नंबर प्लेट को छुपा कर चल रहा था जिसपर ड्राइवर को समझाते हुए चालान भी किया वहीं थाना अध्यक्ष ने बताया कि आगे भी अभियान चलता रहेगा, थाना प्रभारी विंध्याचल वेद प्रकाश पांडे के नेतृत्व में उप निरीक्षक विजय शंकर तिवारी, संतोष उपाध्याय, गणेश पांडे, श्याम जीत यादव , हेड कांस्टेबल गोपाल सिंह, कास्टेबल शुभम यादव आदि मौजूद रहे।

लायंस स्कूल परिसर में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल समारोह

- मिर्जापुर विधानसभा क्षेत्र के लाल डिग्गी स्थित लायंस स्कूल परिसर में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल समारोह में बताओ और मुख्य अतिथि के रूप में नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। ऐनवल स्पोर्ट्स एक्स्ट्रावेगेन्जा 2025 का दूसरा दिन नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र जी के मुख्य अतिथि के रूप में शुभारंभ हुआ। उन्होंने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभाग कर रहे सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र जी ने कहा कि खेलों के माध्यम से बचों में टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होता है, जो सराहनीय है। उन्होंने लायंस स्कूल परिवार को इस सफल आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर लायन विश्वनाथ अग्रवाल, लायन श्रीमती जया पांडे, लायन राजेश कुमार अग्रवाल, सभासद श्री अलंकार जायसवाल जी, पूर्व सीईओ लायन संगम लाल अग्रवाल, लायन उमाशंकर पांडे, लायन श्रीमती माया मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लायन सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कृषि विभाग द्वारा किसान गोष्ठी /किसान पाठशाला आयोजित की गई

तीसरा विकल्प न्यूज़ शेर खान ब्यूरो बिजनौर

नजीबाबाद। कृषि विभाग नजीबाबाद द्वारा आज मुस्सेपुर ग्राम पंचायत के पंचायत घर पर किसान पाठशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सहायक विकास अधिकारी कृषि जौनी कुमार, सतनाम सिंह नागर, विकास कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का कृषि विभाग द्वारा अनेक जन उपयोग योजनाएं चलाकर किसानों को लाभ दिलाने का काम किया जा रहा है। गोष्ठी के प्रथम दिवस पर रबी, दलहन, तिलहन प्रजातियों के उत्पादन, रवि फसलों में खरपतवार नियंत्रण एवं कृषि रक्षा कृषि में ड्रोन का प्रयोग एवं फॉर्मर रजिस्ट्री का महत्व एवं उपयोगिता विषय पर अपने अपने विचार रखे। उन्होंने इस समय सरकार किसानों को कृषि निवेश यन्त्रों के अनुदान के बारे में बताया। इस अवसर पर सहायक कृषि विकास अधिकारी जौनी कुमार ने प्राकृतिक खेती, गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर विस्तार से प्रकाश डाला। किसानों को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता चौधरी ईशम सिंह ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हमारे किसान समृद्ध हो देश की खुशहाली का रास्ता गांव से खेत खलियानों से होकर गुजरता है। हमारी सरकार देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह एवं अंत्योदय के प्रणेता स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प पर आधारित सरकार है। उन्होंने सभी किसान भाइयों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाने हेतु अपनी फसल का बीमा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान रणवीर सिंह एवं संचालन विजेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर छत्रपाल सिंह, रफीक अहमद, सुखबीर सिंह, छोटे मंसूरी, शकुंतला देवी, शोभा भाटी, बाले हसन, नरेश कुमार, सत्यपाल सिंह, विनोद कुमार, निगम सिंह, महेंद्र सिंह, ईसम सिंह भाटी, साधूराम गुजर, बाबूराम आर्य, अमरकांत, ऋषिपाल सिंह आदि ने किसान गोष्ठी/ किसान पाठशाला में भाग लिया। सहायक विकास अधिकारी कृषि विकास कुमार ने बताया कि यह किसान पाठशाला गोष्ठी दो दिवसीय है। कल भी विभागीय अधिकारी किसानों को सरकार एवं विभाग की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों भाजपा नेता चौधरी ईशम सिंह ने उपस्थित किसानों को सरकार द्वारा निःशुल्क सरसों एवं मसूर की मिनी किट वितरित की।

जनपदों के समस्त सहायक नोडल अधिकारी एवं मिशन शक्ति केन्द्र के प्रभारी, मिशन शक्ति केन्द्र पर नियुक्त कर्मियों के साथ की गयी समीक्षा

- ग्रामों वार्डो में मिशन शक्ति केन्द्र के सम्बन्ध में जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के दिये गये निर्देश
- सरकार द्वारा चलाये गये मिशन शक्ति-5.0 के अन्तर्गत प्रचलित अभियान के दौरान महिला सम्बन्धी अपराधों में सघन पैरवी करके अभियुक्तों को दोषसिद्ध कराये जाने हेतु दिये गये निर्देश
- मिशन शक्ति केन्द्र पर कुल 22 कर्मियो को उत्साहवर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र देते हुए मिशन शक्ति अभियान में सक्रिय योगदान देने हेतु किया गया प्रेरित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर । शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर卐आर.पी.सिंह卐 द्वारा पुलिस लाइन मीरजापुर स्थित सभागार कक्ष में परिक्षेत्र के समस्त सहायक नोडल अधिकारी एवं मिशन शक्ति केन्द्र के प्रभारी/अन्य कर्मियों के साथ उनके कार्यो की समीक्षा करते हुए प्रत्येक थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र के मूल उद्देश्य तथा मिशन शक्ति केन्द्र द्वारा किये जाने वाले कार्यों एवं पुलिस महानिदेशक उ.प्र. द्वारा जारी एस.ओ.पी. में दिये गये निर्देशों पर विस्तृत रूप से भलि-भाँति प्रशिक्षित किया गया।

साथ ही उनके कार्य के दौरान आने वाले समस्याओं/कठिनाईयो के बारे में पूछा गया तथा कर्मियों के प्रत्येक प्रश्नो का जवाब देकर उन्हें भलि-भाँति समझाया गया। मिशन शक्ति केन्द्र के स्थापना के मूल उद्देश्य को जन-जन तक पहुँचाये जाने हेतु शहरी क्षेत्र के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र, स्कूल,कालेज,पंचायत भवन तथा माह में थानों पर 02 बार आयोजित होने वाले समाधान दिवस के अवसर पर थाने पर उपस्थित लोगो को जागरूक किये जाने के सम्बन्ध में बताया गया। मिशन शक्ति केन्द्र का एस.ओ.पी. के अनुसार क्रियान्वयन हेतु राजपत्रित अधिकारी के स्तर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा माह में अपराध गोष्ठी की भाँति मिशन शक्ति केन्द्र के प्रभारियों के साथ बैठक कर उनके कार्यो की समीक्षा किये जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा अपर पुलिस अधीक्षक पाक्षिक तथा क्षेत्राधिकारीगण को साप्ताहिक गोष्ठी करके मिशन शक्ति के कार्यो की समीक्षा एवं सुधार हेतु आपेक्षित कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मिशन शक्ति केन्द्र पर आने वाली पीडिता के साथ सहानुभूति,अछे व्यवहार करने के सम्बन्ध मे बताया गया। पीडिता के प्रत्येक समस्या जैसे चिकित्सीय,विधिक क्षतिपूर्ति आदि का निराकरण एवं सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया। मिशन शक्ति केन्द्र पर अछे कार्य करने वाले कुल 22 कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें मिशन शक्ति अभियान में सक्रीय योगदान हेतु प्रेरित किया गया ।

मनोज बाजपेयी के सामने जोर लगाना पड़ता है: प्रियामणि

साउथ की नामी कलाकार प्रियामणि अब हिंदी सिनेमा में भी अपनी अच्छी-खासी पहचान बना चुकी हैं ।श्जवानश्, श्आर्टिकल 370श् जैसी कई हिंदी फिल्मों के साथ वेब सीरीज श्फैमिली मैनश् में भी नजर आईं। उन्होंने कहा है कि इस वेब सीरीज ने मुझे घर-घर तक पहुंचाया, जब मैं पहले सीजन की शूटिंग कर रही थी, तब अंदाजा नहीं था कि ये इतना ज्यादा पसंद किया जाएगा। द फैमिली मैन पर बोलीं प्रियामणि दक्षिण की तकरीबन सभी भाषाओं में काम कर चुकीं साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियामणि आज बॉलिवुड में भी फेमस हो चुकी हैं। श्जवानश्, श्आर्टिकल 370श् जैसी कई हिंदी फिल्मों में नजर आईं प्रियामणि के लिए ओटीटी गेम चेंजर साबित हुआ है। वेब सीरीज श्फैमिली मैनश् के तीनों सीजन में उनके सुचि के किरदार को काफी लोकप्रियता मिली। उनसे एक खास बातचीत। बॉलिवुड और मुंबई भाने लगा है प्रियामणि ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ से की हो, मगर एक लंबे अरसे से उन्हें हिंदी दर्शक पसंद करने लगे हैं। बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाली प्रियामणि को अब मुंबई रास आने लगा है। मुंबई और बॉलिवुड में काम करने के अपने अनुभव के बारे में वे कहती हैं, श्आठ साल हो गए हैं मुझे मुंबई में शिफ्ट हुए, मगर अब मुझे मुंबई थोड़ा-थोड़ा पसंद आने लगा है, मगर बेंगलुरु की बात ही कुछ और है, जाहिर है, मैं वहीं पली-बढ़ी हूं। मगर मैं कह सकती हूं कि मुझे यहां का खाना अच्छा लग रहा है, मौसम भा रहा है। लोग अच्छे हैं। वर्क स्पेस की बात की जाए, तो साउथ और बॉलिवुड में दोनों जगह काफी हद तक एक जैसा ही है, मगर यहां टाइमिंग को लेकर थोड़ा-सा काम देरी से होता है। साउथ में हम जल्दी काम शुरू करते हैं। साउथ में हर इंडस्ट्री में 12 घंटे काम होता है। मलयालम में हम ज्यादातर 9 टू 9 शिफ्ट में काम करते हैं। कई बार शिफ्ट इससे ज्यादा भी एक्स्टेंड हो जाती है, ये निर्भर करता है कि कितना काम है ।श् मेरे पहले पोस्टर को देख कर घरवाले चिल्लाने लगे साल 2003 में प्रदर्शित हुई श्एवारे अथागुड्डुश् जैसी तेलुगु फिल्म ने उन्हें स्टारडम दिलाया, मगर उनकी पहली फिल्म तमिल में थी। फिल्म श्कंगालाल कैधु सेईश् की मीठी यादों को ताजा करते हुए वे कहती हैं, श्आप जब नए-नए होते हैं, तो हर अनुभव बहुत ही अलग लगता है। मुझे याद है, जब मेरी पहली तमिल फिल्म मेरी पहली तमिल फिल्म कंगालाल कैधु सेई आई, तब मैं इस बात को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि ये महान निर्देशक भारती राजा द्वारा निर्देशित है। फिल्म को लेकर बहुत उम्मीदें थीं। इस फिल्म की रिलीज के वक्त मैं बेंगलुरु में थी। ये आज से तकरीबन 20 साल पहले की बात है। उस दिन मैं अपनी मम्मी, मेरे सारे कजन्स , स्कूल की फ्रेंड्स और काफी लोगों को वो फिल्म दिखाने लेकर गई थी। वहां एक खुशी नाम का थिएटर था। वहां फिल्म का बहुत बड़ा पोस्टर था, जिसमें मेरी हीरो के साथ एक बहुत बड़ी फोटो लगी थी। मेरी फैमिली और फ्रेंड्स फिल्म का पोस्टर देखकर खुशी के मारे चिल्लाने लगे थे। सभी बहुत ज्यादा उत्साहित थे। हालांकि फिल्म की हीरोइन मैं ही थी, मगर खुद को पहली बार पोस्टर पर देखने का अनुभव कुछ अलग ही था। मेरे फ्रेंड्स और कजन्स बोले, तू बहुत सुंदर लग रही है ।श् ये बात और है कि फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म को वो कामयाबी नहीं मिली, जिसकी उम्मीद थी ।श् ओटीटी ने फैन बेस को समृद्ध किया दक्षिण की तकरीबन सभी भाषाओं में काम कर चुकी प्रियामणि को आज पैन इंडिया स्टार कहा जाता है तो वे अपने सफर को कैसे देखती हैं। इस पर वे कहती हैं, श्मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे इतनी भाषाओं में इतने सारे बेहतरीन किरदार करने को मिले। मगर ये सच है कि श्फैमिली मैनश् ने मुझे एक अलग तरह की शोहरत दी। इस सीरीज के बाद एक कलाकार के रूप में मुझे राष्ट्रीय स्तर पर दर्शक मिले ।पहले मुझे सिर्फ साउथ की ऑडियंस जानती थी। हां, साउथ की हिंदी में डब की गई मूवीज से मैं हिंदी दर्शकों तक पहुंचती थी, मगर इस वेब सीरीज ने मुझे घर-घर तक पहुंचाया। सच कहूं, तो जब मैं पहले सीजन की शूटिंग कर रही थी, तब अंदाजा नहीं था कि ये इतना ज्यादा पसंद किया जाएगा, यह रोल भी मुझे ऑडिशन देकर मिला था (हंसती हैं) शो के आने के बाद ये ह्यूज हिट साबित हुआ। फिर दूसरे सीजन को पहले सीजन से भी ज्यादा सराहना मिली और अब तीसरा सीजन। हालांकि मैंने जवान और श्आर्टिकल 370श् जैसी हिंदी फिल्में की, मगर ओटीटी ने मेरे फैन बेस को समृद्ध कर दिया ।श् श्मुझे मेरी प्राइस मनी मिल रही हैश् अपनी चर्चित वेब सीरीज श्फैमिली मैनश् में मनोज बाजपेयी के साथ काम करने को लेकर वे कहती हैं,

श्मनोज सर की एक्टिंग इतनी शानदार है कि उनके सामने हर कलाकार को पूरी तैयारी और जोर लगाना पड़ता है। हमें हर टेक से पहले पूरी तैयारी करनी होती है, लेकिन आपको हमेशा सतर्क रहना होता है क्योंकि कभी भी सरप्राइज मिल सकता है। वे एक सेल्फ मेड एक्टर हैं और उन्हीं की तरह मैं भी इस बात में यकीन करती हूं कि सफलता रातों-रात नहीं मिलती। उसके लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। आपको कई संघर्षों और रिजेक्शन से गुजरना पड़ता है। इस लाइन में कुछ भी आसान नहीं होता, मगर आज करियर के इस मुकाम पर मैं वैरायटी वाले रोल करके संतुष्ट हूं और खुश हूं कि मुझे मेरी प्राइस मनी मिल रही है ।श

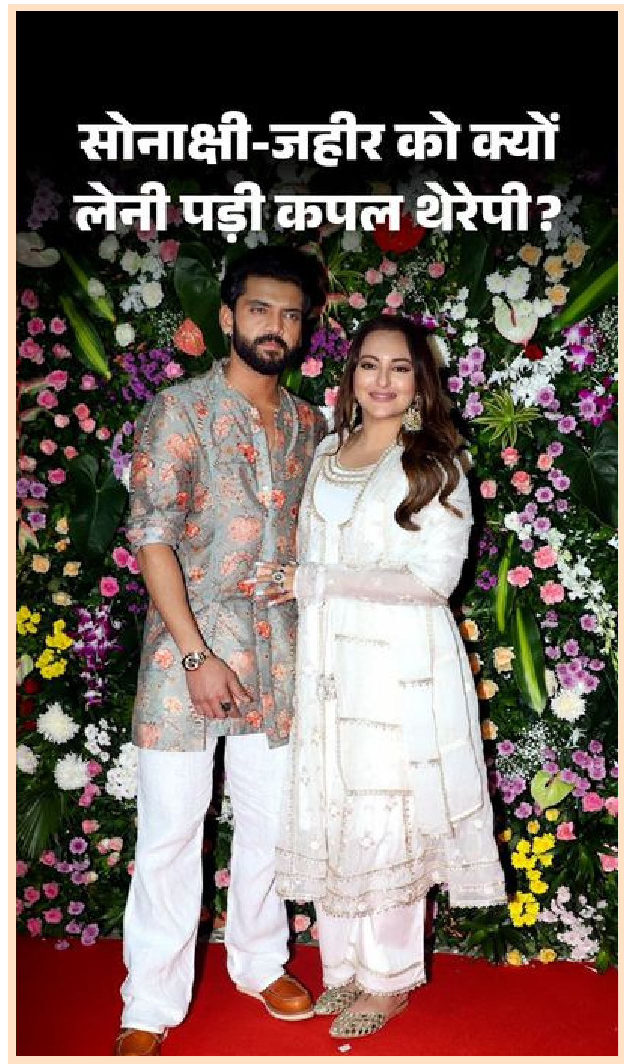

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की गिनती इंडस्ट्री के मोस्ट फन लविंग कपल में होती है। दोनों अपनी केमिस्ट्री से फैंस का भरपूर मनोरंजन करते हैं। सोनाक्षी और जहीर की केमिस्ट्री ऑडियंस को पसंद भी आती है। सोनाक्षी और जहीर के रिश्ते को 8 साल हो चुके हैं और उनकी शादी को एक साल। एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में डेटिंग के दौरान अपने रिश्ते में आए उतार-चढ़ाव पर बात की।

उन्होंने बताया कि उनके रिश्ते में एक ऐसा फेज आया, जब वो एक-दूसरे का नजरिया बिल्कुल ही नहीं समझ पा रहे थे। फिर उन्हें कपल थेरेपी लेनी पड़ी थी। दरअसल, सोनाक्षी हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट में शामिल हुईं। इस दौरान सोनाक्षी ने खुलकर अपने रिश्ते पर बात करते हुए बताया- 'जब हम रिश्ते में तीन साल पूरे कर चुके थे, तब एक ऐसा दौर आया जब हम बस एक-दूसरे के बाल नोंचने को तैयार थे। हम चाहे कुछ भी करें, हम एक-दूसरे का नजरिया समझ ही नहीं पा रहे थे। लेकिन हम दिल से जानते थे कि हमें किसी न किसी तरह इसे कामयाब बनाना ही होगा और हमने कपल थेरेपी भी करवाई। जहीर ने ही इसका सुझाव दिया था।' उन्होंने आगे कहा- श्मैं चाहती थी कि यह रिश्ता किसी भी हाल में कामयाब हो। मैं इस चीज को करने को लेकर ओपन रही और दो सेशन के बाद ही हमारा रिश्ता पटरी पर आ गए। इससे यह समझने में बहुत मदद मिली कि दूसरा व्यक्ति क्या सोचता है, और यह कि वे जो कहते हैं जरूरी नहीं कि उनका मतलब वही हो।' बता दें कि सोनाक्षी और जहीर की शादी 23 जून 2024 को मुंबई में हुई थी। दोनों की पहली मुलाकात 2017 में सलमान खान के घर पर हुई थी। दोस्ती के बाद दोनों करीब आए। अलग धर्म से होने की वजह से उन्होंने शादी का रजिस्ट्रेशन स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 के तहत कराया था। शादी सोनाक्षी के बांद्रा स्थित घर में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में हुई थी।

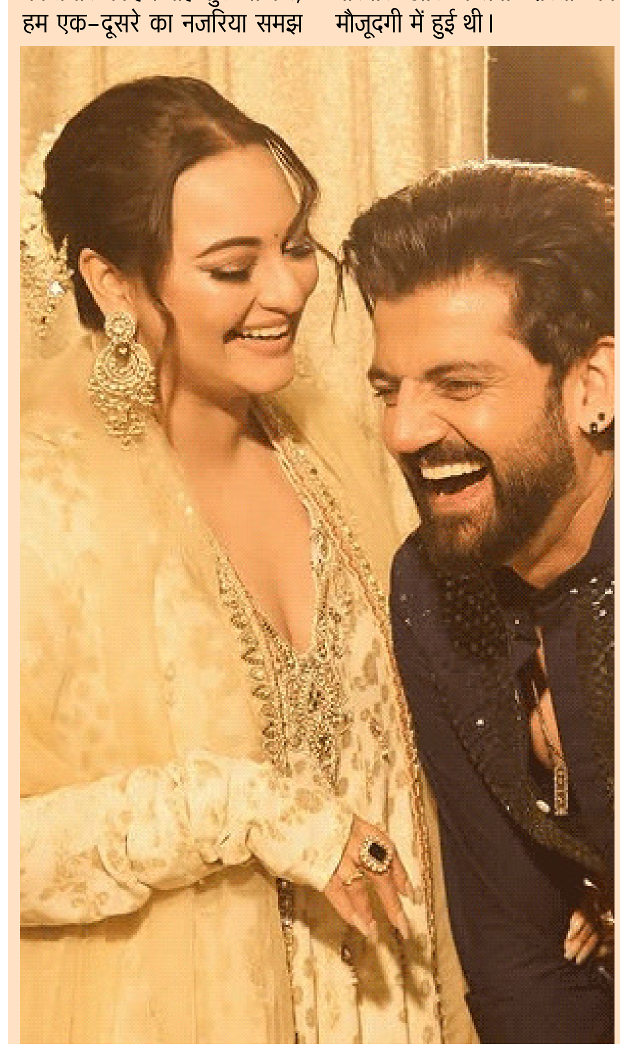

विश्वनाथ धाम पहुंचीं सारा तेंदुलकर

सारा तेंदुलकर हमेशा ही अपने फैंस के साथ अपने स्पेशल मोमेंट्स शेयर करती रहती हैं. हाल ही में वो अपने परिवार संग वाराणसी एक्सप्लोर करने पहुंचीं. उनके इस ट्रिप की तस्वीरों को बहुत पसंद किया जा रहा है. आप भी देखें सचिन तेंदुलकर की लाडली की तस्वीरें. सारा तेंदुलकर बीते महीने ही अपनी मां अंजली तेंदुलकर के साथ काशी विश्वनाथ धाम दर्शन करने वाराणसी पहुंची थीं. अब एक बार फिर वो अपने परिवार संग इस स्पिरिचुअल ट्रिप को एंजॉय करती नजर आईं. हसीना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि वाराणसी में अपने परिवार संग उन्होंने कैसे 36 घंटे बिताए. काशी नगरी की खूबसूरती को एंजॉय करते हुए उन्होंने अपने समय को वाराणसी एक्सप्लोर करने में बिताया. इस वायरल फोटो में सारा तेंदुलकर ने अपनी मां अंजली तेंदुलकर संग पोज किया है. मां-बेटी की इस जोड़ी की खूबसूरती देखते बनती है. मिनिमल मेकअप में भी दोनों हसीनाएं बला की खूबसूरत लग रही हैं और आप भी इन्हें देख अपनी नजरें हटा नहीं पाएंगे. सोशल मीडिया पर अपने हर पल की अपडेट देते हुए एक्ट्रेस ने फैंस के साथ कई तस्वीरे शेयर की. वाराणसी की स्पेशल बनारसी साड़ियों का फोटो अपलोड करते हुए उन्होंने फैंस को बताया कि इस ट्रिप में उन्होंने खूब शॉपिंग भी की. बनारस और वहां की स्पेशल लस्सी के चर्चे तो दूर-दूर तक होते हैं. ऐसे में सचिन तेंदुलकर की लाडली भी खुद को लस्सी का लुत्फ उठाने से रोक नहीं पाईं. 36 घंटे वाले इस ट्रिप में उन्होंने वाराणसी के जायके का भी भरपूर आनंद लिया. इसके अलावा सारा वाराणसी की स्पेशल चाट भी एंजॉय करती नजर आईं. वायरल तस्वीरों को देख लगता है उन्होंने अपने इस ट्रिप में खूब एंजॉय किया और वाराणसी के स्ट्रीट फूड ने उनके दिल में भी अपनी जगह बना ली. कभी बनारस की गलियों में तो कभी इस शहर का जायका एंजॉय करते हुए उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की हैं. अपने परिवार संग उन्होंने गंगा घाट किनारे भी काफी समय बिताया. अब सचिन तेंदुलकर की लाडली की ये लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं और फैंस उनकी नेचुरल ब्यूटी देख अपना होश गंवा चुके हैं.

गनाब्री चमके और लेनार्ट कार्ल ने फिर किया प्रभावित

बायर्न म्यूनिख ने एक बार फिर मैच को बेहद रोमांचक बना दिया, लेकिन अंत में जीत दर्ज करते हुए एलियांज एरेना में वापसी पूरी की है। मौजूद जानकारी के अनुसार इस जीत के बाद टीम आखिरी दो मैचों में किसी अप्रत्याशित नतीजे को छोड़ दे तो आराम से राउंड ऑफ 16 में शीर्ष आठ सीड के रूप में प्रवेश की स्थिति में पहुंच गई है। बता दें कि स्पोर्टिंग के गोलकीपर रुई सिल्वा ने भले ही तीन गोल खाए हों, लेकिन उनकी प्रदर्शन क्षमता पर सवाल नहीं उठाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि पहले हाफ में लेनार्ट कार्ल का अद्भुत स्ट्राइक गोल में तब्दील हो सकता था, मगर ऑफसाइड के कारण उसे मान्यता नहीं मिली। इसके बाद सर्ज गनाब्री का गोल सिल्वा नहीं रोक सके, जबकि बाद में कार्ल और जोनाथन ताह द्वारा किए गए शॉट्स पर उनके पास बचाव का कोई ठोस मौका नहीं था, ऐसे में कहा जा सकता है कि गोलकीपर को रक्षापंक्ति ने काफी हद तक अकेला छोड़ दिया था। जोनाथन ताह की बात करें तो यह गर्मियों में हुआ साइनिंग अब बायर्न के लिए पूरी तरह उपयोगी साबित होता नजर आ रहा है। ताह का यह दूसरा गोल निर्णायक साबित हुआ है और संकेत देता है कि बड़े मौकों पर वे टीम को उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस मैच में अल्फोंसो डेविस की वापसी भी टीम बैलेंस के लिहाज से सकारात्मक कही जा रही है। जर्मन मिडफील्डर जोशुआ किमिच का योगदान भी चर्चा में रहा, हालांकि एक आत्मघाती गोल के बावजूद उन्होंने विपक्षी हाफ में जिस तरह गेंद निर्माण, पासिंग और प्रेसिंग में प्रभुत्व दिखाया, वह उनके विश्वस्तरीय कौशल की गवाही देता है। मौजूद आंकड़ों के अनुसार किमिच ने जितनी बार गेम टेम्पो को नियंत्रित किया, उससे बायर्न के आक्रामक ढांचे को निरंतर बढ़त मिलती रही है। वहीं युवा लेनार्ट कार्ल अपनी परिपक्वता और सटीक फिनिशिंग से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। पहले शानदार गोल के ऑफसाइड होने के बाद भी उनके आत्मविश्वास में कमी नहीं आई और दूसरा गोल उत्तम नियंत्रण और शॉट चयन का उदाहरण रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि कार्ल इस समय बायर्न के भविष्य का महत्वपूर्ण चेहरा बनते जा रहे हैं। आखिर में मैच का मोड़ सर्ज गनाब्री ने ही तय किया। बता दें कि गनाब्री ने गोल करने के साथ-साथ एक अहम असिस्ट भी दर्ज कराई है और विपक्षी हाफ में लगभग 90: पासिंग सटीकता के साथ स्पोर्टिंग की डिफेंस को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। यही कारण है कि आज उन्हें निर्णायक प्रदर्शनकर्ता के तौर पर जाना जा रहा है और बायर्न की जीत में उनके योगदान को सर्वाधिक प्रभावी माना जा रहा है।

शाहीन अफरीदी ने मिशेल स्टार्क की जमकर की तारीफ, अपनी गेंदबाजी को लेकर कर दिया बड़ा खुलासा

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने उनके करियर को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को अपनी गेंदबाजी शैली को आकार देने में एक प्रमुख प्रेरणा स्रोत बताया। स्टार्क 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों द्वारा टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अकरम को पीछे छोड़ा है। हालांकि अफरीदी को अपने से अधिक अनुभवी बाएं हाथ के गेंदबाजों की ऊंचाइयों तक पहुंचने में अभी काफी समय लगेगा, लेकिन पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का उनके करियर पर अब तक काफी प्रभाव रहा है। उन्होंने 2015 में घरेलू मैदान पर स्टार्क द्वारा किए गए शानदार आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप अभियान को भी याद किया, जहां वह ट्रॉफी जीतने वाली टीम में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। अफरीदी ने बताया कि उस समय वह जूनियर पाकिस्तानी टीम के साथ दौरे पर थे और स्टार्क को अपने चरम पर खेलते हुए देखकर उन्होंने एक कुशल तेज गेंदबाज बनने की बारीकियां सीखीं। आईसीसी की वेबसाइट पर अफरीदी के हवाले से कहा गया है, ष्वह एक दिग्गज हैं। जब श्स्टार्सीश् ने 2015 विश्व कप खेला था, तब मैं अंडर 16 पाकिस्तानी टीम के लिए खेल रहा था, इसलिए... मैंने उनके गेंदबाजी करने के तरीके को समझने और कई बार उनकी स्विंग को कॉपी करने की कोशिश की। उन्होंने पूरे विश्व कप में फुल लेंथ गेंद फेंकी और उन्हें काफी सफलता मिली।ष् इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एशेज सीरीज के पहले दो मैचों में स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं।

राजनीति से परे एक यात्रा डॉ. राजेश्वर सिंह की 52वीं रामरथ यात्रा बनी श्रद्धा और सेवा का संगम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित 'रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्रा' निःशुल्क बस सेवा ने समाजसेवा, श्रद्धा और जनसंबंध के क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान रच रही है। शुक्रवार को 52वीं 'रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा' के माध्यम से खरिका वार्ड के वृद्धजनों और मातृशक्ति को पावन अयोध्या धाम के दिव्य दर्शन कराए गए। यात्रा का इतिहास और 27 सितंबर 2022 को डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती तारा सिंह जी की पावन स्मृति में इस सेवा की शुरुआत की थी। अब तक लगभग 8,000 श्रद्धालु, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, महिलाएँ, छात्र-छात्राएँ और वृद्धाश्रमों के बुजुर्ग शामिल हैं, अयोध्या धाम के दर्शन कर चुके हैं। इस यात्रा का उद्देश्य उन नागरिकों को यह दिव्य अवसर प्रदान करना है, जिनके लिए आर्थिक या स्वास्थ्य कारणों से अयोध्या जाना कठिन था। सेवा को व्यवस्था में बदलने वाला नेतृत्व* डॉ. राजेश्वर सिंह ने इस धार्मिक सेवा को नीति-आधारित सामाजिक मॉडल का रूप दिया है, जहाँ चयन, संचालन, भोजन-जलपान, सुरक्षा और सुविधा सब कुछ पारदर्शी व संगठित प्रक्रिया में किया जाता है। उनकी टीम के वालंटियर्स इस यात्रा को पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ संचालित करते हैं। यह बस सेवा अब सरोजनीनगर की सामाजिक-धार्मिक चेतना का प्रतीक बन चुकी है। अयोध्या यात्रा = आस्था, विश्वास और नेतृत्व का संगम 52वीं यात्रा के दौरान खरिका वार्ड के वृद्धजनों की आँखों में जो संतोष और कृतज्ञता दिखी, वह केवल धार्मिक भाव नहीं बल्कि लोक-प्रतिनिधि पर अटूट विश्वास का भाव था। यह यात्रा क्षेत्र में सांस्कृतिक आत्मगौरव, सामाजिक सुरक्षा और राजनीतिक विश्वसनीयता तीनों को सुदृढ़ कर रही है। संस्कृति के साथ विकास का समन्वय* रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्रा यह संदेश दे रही है कि सरोजनीनगर में विकास योजनाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागरण भी उतनी ही गति से आगे बढ़ रहा है। यह सब संभव हुआ है ऐसे नेतृत्व के कारण, जो सेवा को राजनीति का केंद्र, आस्था को समाज का आधार और जनता को अपने कार्य का परम ध्येय मानता है।

विजयी संयोजन में बदलाव का जोखिम उठाएगा भारत? गिल को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

मुल्लांपुर। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में उतरेगी तो यह देखना दिलचस्प रहेगा कि विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को तरजीह मिलेगी या जितेश शर्मा ही विकेट के पीछे भूमिका निभाएंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा।

भारत ने पहले टी20 में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की और सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। अब टीम की नजरें सीरीज में बढ़त मजबूत करने पर टिकी होंगी। आमतौर पर भारतीय टीम विजयी संयोजन से छेड़छाड़ नहीं करती, इसलिए यह देखने लायक होगा कि दूसरे टी20 के लिए क्या भारतीय टीम प्रबंधन ये जोखिम उठाएगी? वापसी को यादगार नहीं बना सके गिल भारत ने पहले टी20 में वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, संजू सैमसन और हर्षित राणा को बाहर रखा था। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी सैमसन को बाहर रखने पर हुई थी जिनकी जगह जितेश शर्मा को तरजीह दी गई। सैमसन कुछ समय पहले तक नियमित रूप से टी20 टीम का हिस्सा थे और अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे थे, लेकिन शुभमन गिल के आने से उन्हें मध्य क्रम में बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा जहां वह सफल नहीं हुए। पहले टी20 से गिल ने चोट के बाद वापसी की, लेकिन वह इसे यादगार नहीं बना सके और चार रन बनाकर आउट हुए। गिल पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गिल के पहले ही ओवर में विकेट गंवाने से भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा था। उनसे दूसरे टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने की आस होगी। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी।

पीएम सूर्या घर मुफ्त बिजली योजना प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को महानिदेशक, (निसबड) ने किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रशिक्षण कार्यक्रम 8 दिसम्बर से लखनऊ पॉलीटेक्निक लखनऊ, कृष्णा नगर, लखनऊ में चलाया जा रहा है, जिसमें सोलर वेण्डर और सोलर वेण्डर के कर्मचारी प्रतिभाग कर रहे है, प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवे दिन राष्ट्रीय उद्यमिता लघु व्यवसाय संस्थान की महानिदेशक डॉ. पूनम सिन्हा और प्रदीप कुमार अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति हुई, उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सोलर के क्षेत्र कार्य कर रहे वेण्डर और उनके कर्मचारियों को जागरूक किया और सरकार की तमाम योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस दौरान लखनऊ पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य अनिल भारती , प्रवक्ता धर्मेन्द्र , प्रवक्ता अनिल कुमार, स्टेट हेड (निसबड) प्रभाकर बहुगुणा, आदि लोग उपस्थित रहे।

अर्थ जगत

एआई की बढ़ी मांग के कारण बढ़ी टीएसएमसी की रेवेन्यू , नवंबर महीने में सालाना आधार पर 24.5: का इजाफा

नई दिल्ली। दुनियाभर में एआई तकनीक की तेजी से बढ़ती मांग का सीधा असर अब सेमीकंडक्टर कंपनियों के राजस्व पर दिखने लगा है। ताइवान की चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी (ज्ैड) का नवंबर 2025 का राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 24.5: बढ़कर 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर हो गया। दुनिया में एआई की बढ़ती मांग का असर अब इन्हें बनाने वाली कंपनियों पर दिखने लगा है। ताइवान की सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी टीएसएमसी का राजस्व नवंबर में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। माना जा रहा है कि यह वृद्धि एआई चिप्स की मजबूत वैश्विक मांग के कारण हुई है। हालांकि मासिक आधार पर राजस्व की बात करें तो यह अक्तूबर की तुलना में कम रहा। कंपनी ने 343.61 अरब का शुद्ध लाभ दर्ज किया कंपनी के आधिकारिक बयान के अनुसार, नवंबर 2025 के लिए उसका समेकित शुद्ध राजस्व 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर (एनटीडी) रहा। यह लगभग 10.99 अरब डॉलर (1 एनटीडी = 0.032 डॉलर) के बराबर है। कंपनी ने बयान में कहा कि समेकित आधार पर, नवंबर 2025 का राजस्व लगभग 343.61 अरब एनटीडी था। यह अक्तूबर 2025 से 6.5 प्रतिशत कम और नवंबर 2024 से 24.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के बयान के अनुसार, यह नवंबर 2024 में दर्ज किए गए 276.06 अरब एनटीडी (8.83 अरब अमेरिकी डॉलर) से 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, मासिक आधार पर, राजस्व अक्तूबर 2025 में दर्ज किए गए एनटीडी 367.47 अरब (11.76 अरब डॉलर) से 6.5 प्रतिशत कम रहा। यह पिछले महीनों में मजबूत वृद्धि के बाद अल्पकालिक मांग में नरमी को दर्शाता है। 2025 के पहले ग्यारह महीनों में, दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी ने कुल एनटीडी 3,474.05 अरब का राजस्व अर्जित किया, जो 111.17 अरब डॉलर के बराबर है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए एनटीडी 2,616.14 अरब (83.72 अरब डॉलर) की तुलना में 32.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एआई की मांग वैश्विक स्तर पर है मजबूत कंपनियों की ओर से अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के कारण एआई एक्सेलेरेटर और उन्नत पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों की मांग विश्व स्तर पर मजबूत बनी हुई है। साल-दर-साल की यह वृद्धि उन्नत सेमीकंडक्टर निर्माण, विशेष रूप से एआई सर्वर, बड़े पैमाने पर कंप्यूटिंग और प्रीमियम स्मार्टफोन के लिए उपयोग किए जाने वाले उच्च-प्रदर्शन चिप्स में कंपनी के निरंतर नेतृत्व को उजागर करती है।

पत्रकार पर बांग्ला बाजार भद्रक के कोटेदार शांति देवी के सहयोगी शुभम ने 3,4 युवकों एक महिला किया हमला

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पत्रकार और द्वारा खबर चलाने पर बांग्ला बाजार भद्रक के कोटेदार शांति देवी के सहयोगी शुभम द्वारा 20 रु0 वसूलते वीडियो वायरल किया था। यह देख शुभम आग बबूला हो गया और पत्रकार को जान से मारने की योजना बनाने लगा और अगले दिन शुक्रवार 12/12/2025 को पत्रकार को फोन कर बांग्ला बाजार चौराहे पर मिलने को कहा और खबर और वायरल ना करने को कहा पत्रकार राहुल सिंह द्वारा शुभम के इस तरह से फोन करने और बांग्ला बाजार चौराहे पर मिलने की बात पर कुछ शक हुआ और पत्रकार ने शुभम को डेंटल चौकी के पास पहुंचने को कहा लेकिन शुभम ने जैसे ही डेंटल चौकी का नाम सुना उसने मना कर दिया और उतरतियां श्च5 के पास पहुंचते ही पत्रकार से कहा की यही पर आए वहां नही आ पाएंगे। और कहा की यही आ जाए और भाई साहब बात हो जाएगी। पत्रकार श्च5 के पास पहुंच गए पत्रकार को आते ही शुभम,एक महिला और उसके साथ आए 3,4 साथी मारने पीटने लगे और पत्रकार की बाईक की चाभी छीन ली और बाईक से गिराने लगे वही शुभम ने पीछे से पत्रकार के सिर पर पत्थर से हमला कर दिया पत्रकार ने हेलमेट पहन रखा था जिस कारण जिसकारण एक बड़ा हादसा होते होते टल गया। अगर पत्रकार शुभम की बताई हुई जगह पर पहुंचता तो शुभम और शुभम के साथी जान से मार देते। पत्रकार की सूझबूझ ने अपनी जान बचाई कोटेदारों के हौसले कितने बुलंद है कि वह पत्रकारों द्वारा खबर चलाने पर उनको जान से मरने पहुंच जा रहे है। वही पत्रकार ने पत्रकारों को फोन किया तो सभी पत्रकार वहां पहुंच गए पत्रकारों को देख कर शुभम और उसके साथी वहां से भागने लगे और जाते जाते पत्रकार को वसूली और हरिजन एक्ट में फसाने की धमकी देकर भाग गए। थाना पीजीआई अंतर्गत साउथ सिटी चौकी पर पत्रकारों ने प्रार्थना पत्र दिया जिसे इंस्पेक्टर विवेक कुमार को दिया गया इंस्पेक्टर विवेक द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई हुई और कोटेदार शांति देवी को चौकी पर बुलाया गया जिसमें उनकी पुत्री भी पहुंची काफी जंतु जगत के बाद शांति दास देवी द्वारा और उनकी बेटी द्वारा माफी मांगी गई।

भारतीय-चीनी छात्रों की वापसी को शर्मनाक बताते हुए ट्रंप और क्या बोले?

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि भारत और चीन जैसे देशों के प्रतिभाशाली छात्र स्नातक के बाद अमेरिका में नहीं रह पाते, यह शर्मनाक है। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने करीब 9 करोड़ रुपये मूल्य वाले 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' वीजा कार्यक्रम की शुरुआत की, जो योग्य लोगों को अमेरिकी नागरिकता तक का मार्ग प्रदान करेगा। आइए विस्तार से जानते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि भारत और चीन जैसे देशों के छात्रों का प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातक करने के बाद अपने देश लौटने को मजबूर होना शर्मनाक है। व्हाइट हाउस में आयोजित एक राउंडटेबल चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि नया ट्रंप गोल्ड कार्ड कार्यक्रम इस स्थिति को बदल देगा और अमेरिकी कंपनियों को ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को नियुक्त करने और देश में बनाए रखने में मदद करेगा। नौ करोड़ रुपये का ट्रंप गोल्ड कार्ड ट्रंप ने बुधवार को एक मिलियन डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये मूल्य के ट्रंप गोल्ड कार्ड वीजा कार्यक्रम की घोषणा की। इसे अमेरिकी नागरिकता के लिए नया मार्ग बताया जा रहा है। यह वीजा उन व्यक्तियों को दिया जाएगा जो अमेरिका को महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह हमारे देश के लिए बेहतरीन लोगों को लाने का एक अवसर है। कई प्रतिभाशाली छात्र यहां की शीर्ष यूनिवर्सिटीज से पढ़कर निकलते हैं, लेकिन उन्हें भारत, चीन, फ्रांस या अपने मूल देश वापस जाना पड़ता है। यहां रहना बेहद मुश्किल है। यह शर्मनाक है, हास्यास्पद है। हम इसे ठीक कर रहे हैं। कंपनियां छात्रों को रोकने के लिए कार्ड खरीद सकती हैं आईबीएम के भारतीय-अमेरिकी सीईओ अरविंद कृष्णा और डेल टेक्नोलॉजीज के सीईओ माइकल डेल के साथ, ट्रंप ने घोषणा की कि गोल्ड कार्ड वेबसाइट लाइव हो गई है और कंपनियां व्हार्टन, हार्वर्ड और एमआईटी जैसे शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों से भर्ती किए गए छात्रों को अमेरिका में ही रखने के लिए गोल्ड कार्ड खरीद सकती हैं। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने एप्पल के सीईओ टिम कुक और अन्य अधिकारियों से कई बार सुना है कि वे सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों से लोगों को नियुक्त नहीं कर सकते क्योंकि आपको नहीं पता कि आप उस व्यक्ति को अपने पास रख पाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि छात्रों को देश से निकाल दिया जाता है। कई छात्र अपने कॉलेज से प्रथम स्थान पर स्नातक होते हैं, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है... कि वे देश में रह पाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि कुक ने उनसे इस वास्तविक समस्या के बारे में बात की थी। अरबों डॉलर का उपयोग अमेरिका के विकास के लिए किया जाएगा ट्रंप ने साथ ही यह भी जोड़ा कि गोल्ड कार्ड के माध्यम से अमेरिका को अरबों डॉलर प्राप्त होंगे जिनका उपयोग देश के विकास के लिए किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कंपनियां अब गोल्ड कार्ड से बहुत खुश होंगी, जिसके फायदे अमेरिका में स्थायी निवास प्रदान करने वाले ग्रीन कार्ड से कहीं अधिक होंगे। गोल्ड कार्ड के ग्रीन कार्ड से हैं कई अधिक फायदें उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आईबीएम व्हार्टन विश्वविद्यालय में अपने बैच के किसी टॉपर को नौकरी पर रखना चाहता है, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि वह व्यक्ति देश में ही रहेगा, तो कंपनी गोल्ड कार्ड खरीद सकती है और वह कर्मचारी काफी लंबे समय तक कंपनी में रह सकता है। कंपनियों को इसकी बहुत जरूरत है। यह मूल रूप से ग्रीन कार्ड का एक बेहतर विकल्प है। और ग्रीन कार्ड मिलना नामुमकिन है। यह ग्रीन कार्ड से कहीं बेहतर है। एक व्यक्ति और एक निगम के लिए अलग-अलग प्रावधान गोल्ड कार्ड के बारे में विस्तार से बताते हुए वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि इसकी लागत एक व्यक्ति के लिए एक मिलियन डॉलर और एक निगम के लिए दो मिलियन डॉलर होगी। साथ ही इसमें पूरी और सर्वोत्तम जांच शामिल होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।